सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 232 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 05 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

9 जून को होगी साय कैबिनेट की बैठक, अहम फैसलों पर लगेगी मुहर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक 9 जून को आयोजित की जाएगी। यह बैठक सुबह 11 बजे नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में होगी। बैठक को लेकर सभी विभागों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं और विभिन्न विभागों से जुड़े प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कैबिनेट बैठक में राज्य के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, प्रशासनिक निर्णयों और विभिन्न विभागों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की जा सकती है। इसके अलावा वित्तीय मामलों, नई नीतियों और चल रही योजनाओं की समीक्षा भी एजेंडे में शामिल रहने की संभावना है। सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्ताव तैयार कर सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। बैठक में कृषि, किसान और बुनियादी ढांचे से जुड़े विषयों पर भी निर्णय लिए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

कांगो, युगांडा से छत्तीसगढ़ लौटे यात्रियों में इबोला के लक्षण नहीं

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में वर्तमान में कुल तीन यात्री अफ्रीका से आये हैं। तीन यात्रियों में जांच के बाद इबोला वायरस के लक्षण नहीं मिले हैं। इसके बाद भी नो सिम्टोमैटिक, नो हिस्ट्री ऑफ कॉनटैक्ट होने के कारण तीनों यात्रियों को 21 दिन के लिए होम आइसोलेशन में रखा गया है। जिनकी प्रतिदिन सुबह और शाम को टेलीफोन के माध्यम से स्वास्थ्य संबधित जानकारी ली जा रही है। न तीन यात्रियों में एक कांगो से दुर्ग 31 मई 2026 को आई हैं। वहीं दो अंतर्राष्ट्रीय यात्री भिलाई में दो जून 2026 को पहुंचे। इनमें एक इथोपिया से और एक युगांडा से आये हैं। वर्तमान में तीनों यात्री असिम्टमैटिक एवं पूरी तरह स्वस्थ हैं। एवं उन्हें किसी प्रकार की तकलीफ होने से ट्रेसिंग टीम/स्वास्थ्य विभाग/कंट्रोल रूम एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग को जानकारी देने के लिये कहा गया है।

छत्तीसगढ़ में मानसून का इंतजार, 3 दिन तक आंधी-बारिश के आसार

रायपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने गुरुवार 4 जून को केरल में दस्तक दे दी है। सामान्य तौर पर मानसून 1 जून तक केरल पहुंच जाता है, लेकिन इस बार तीन दिन देरी से हुई। छत्तीसगढ़ में फिलहाल मानसून नहीं पहुंचा है, लेकिन मौसम के बदलते मिजाज के बीच कल देर रात रायगढ़ में तेज बारिश हुई। कि मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में गरज-चमक, बिजली गिरने और 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ, जबकि न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रायपुर और राजनांदगांव प्रदेश के सबसे गर्म शहर रहे, जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज हुआ।

दुर्ग की निधि जैन ने एवरेस्ट बेस कैंप की पांच हजार मीटर से ऊंची चोटी पर फहराया तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग की युवा पर्वतारोही निधि जैन ने साहस, दृढ़ संकल्प और देशभक्ति का अद्भुत परिचय देते हुए एवरेस्ट बेस कैंप क्षेत्र की 5364 मीटर ऊंची चोटी पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। निधि जैन का यह 12 दिनों का पर्वतारोहण अभियान केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और अपनी सीमाओं को चुनौती देने का एक मिशन था।

इस अभियान के दौरान सीमित संसाधनों, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और मौसम के लगातार बदलते स्वरूप का सामना करते हुए उन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। निधि जैन ने बताया कि यह अभियान उन्हें जीवन का एक नया दृष्टिकोण देकर गया। पर्वतों की कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए उन्होंने धैर्य, आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता का महत्व समझा। उन्होंने कहा कि एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक पहुंचने के बाद जीवन की बाकी चुनौतियां अपेक्षाकृत छोटी लगने लगी हैं।

वास्तविक क्षमता को पहचानने का बनी माध्यम

यह यात्रा अपने आप को जानने और अपनी वास्तविक क्षमता को पहचानने का माध्यम बनी। उन्होंने बताया कि ट्रेक लीडर के अनुशासित आदेशों का पालन करना, साधारण भोजन व प्रकृति का आनंद लेने को ही सफलता की कुंजी मानती हूं। पर्वतारोहण के दौरान हर दिन नई चुनौतियां सामने आती थीं, लेकिन लक्ष्य के प्रति समर्पण और सकारात्मक सोच ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। चोटी पर तिरंगा फहराने का क्षण उनके जीवन का सबसे गौरवपूर्ण और भावनात्मक क्षण रहा। निधि जैन की इस उपलब्धि पर दुर्ग सहित पूरे छत्तीसगढ़ में हर्ष का माहौल है। विभिन्न सामाजिक, खेल एवं शैक्षणिक संगठनों ने उन्हें बधाई देते हुए युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया है। उनकी यह सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

प्रदुषण फैलाने वाले उद्योगों पर सख्ती- 94 उद्योगों को थमाया नोटिस, तीन करोड़ का जुर्माना भी काटा

सरकार ने कहा- पर्यावरण की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं, होगी कड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ में प्रदुषण फैलाने वाले उद्योगों पर सख्ती बरती जा रही है। इसी कड़ी में रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, धमतरी, महासमुंद एवं गरियाबंद जिलों में स्थापित उद्योगों के विरुद्ध जनवरी 2025 से मई 2026 के बीच कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 94 प्रदूषणकारी उद्योगों को नोटिस जारी किए गए तथा 82 उद्योगों में उत्पादन बंद करने व विद्युत विच्छेदन के निर्देश जारी किए गए। इसी अवधि में 96 उद्योगों पर कुल 2 करोड़ 40 लाख 65 हजार 125 रुपए का जुर्माना लगाया गया। कच्चे माल, उत्पाद एवं ठोस अपशिष्टों का बिना तारपोलिन से ढंके परिवहन करने वाले 136 उद्योगों एवं संस्थानों पर 51 लाख 2 हजार 323 रुपए का जुर्माना तथा अतिरिक्त पूर्व अनुमति के बिना फ्लाई ऐश के अपवहन एवं डम्पिंग के मामलों में 2 उद्योगों पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के विरुद्ध आगे भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी तथा प्रदेश में स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए निगरानी एवं प्रवर्तन गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा जल एवं वायु प्रदूषणकारी उद्योगों का औचक निरीक्षण कर पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के विरुद्ध वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 एवं जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के तहत कठोर कार्रवाई की जा रही है।

सिंगल-यूज प्लास्टिक पर भी की जा रही सख्त कार्रवाई

भारत सरकार द्वारा अधिसूचित "Plastic Waste Management Amendment Rules 2021" तथा राज्य शासन के छत्तीसगढ़ प्लास्टिक और अन्य गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्री नियम, 2023 के तहत सिंगल-यूज प्लास्टिक एवं अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों के विनिर्माण, भंडारण, विक्रय, परिवहन एवं उपयोग पर प्रतिबंध लागू है। इस संबंध में जनवरी 2025 से मई 2026 तक क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा एक उद्योग का उत्पादन बंद कराते हुए 87 हजार 500 रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई तथा संबंधित उद्योग के विरुद्ध न्यायालय में परिवाद भी दायर किया गया। एक अन्य उद्योग के विरुद्ध उत्पादन बंद करने के साथ 6 लाख 25 हजार रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई। इसके अलावा दो अन्य उद्योगों के विरुद्ध भी उत्पादन बंद करने की कार्रवाई की गई।

रायपुर की वायु गुणवत्ता में सुधार

रायपुर शहर में परिवेशीय वायु गुणवत्ता की सतत निगरानी के लिए 4 स्थानों पर डिस्प्ले बोर्ड सहित Continuous Ambient Air Quality Monitoring Stations (CAAQMS) तथा 6 स्थानों पर National Ambient Air Monitoring Programme (NAMP) स्टेशन संचालित किए जा रहे हैं। वर्ष 2024 में रायपुर शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 65.38 दर्ज किया गया था, जो वर्ष 2025 में घटकर 62.86 हो गया है। इस प्रकार वायु गुणवत्ता में लगभग 4 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया है। यह स्तर संतोषजनक श्रेणी में आता है और प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों के सकारात्मक परिणाम को दर्शाता है।

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर से मुक्त कराए गए श्रमिक सकुशल लौटे

बिलासपुर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले से मुक्त कराए गए जांजगीर-चांपा जिले के 41 श्रमिक एवं उनके परिवारजन सकुशल बिलासपुर रेलवे स्टेशन पहुंच गए। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की टीम ने स्टेशन पहुंचकर सभी श्रमिकों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।

श्रम पदाधिकारी समीर मिश्रा ने बताया कि श्रमिकों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों को भोजन उपलब्ध कराया गया तथा उन्हें उनके गृह ग्राम तक पहुंचाने के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की गई।

जिला प्रशासन ने श्रमिकों की सुरक्षा, सुविधा एवं पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए उनकी सकुशल वापसी सुनिश्चित की है। इस दौरान अधिकारियों ने श्रमिकों से चर्चा कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी भी ली और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

राष्ट्रीय मंच पर चमका छत्तीसगढ़ : धर्मजयगढ़ प्रोजेक्ट को मिला अवार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनजातीय विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों और नवाचारों के लिए छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्क्लेव ऑन स्ट्रेंथनिंग आईटीडीए-आईटीडीपी में रायगढ़ जिले की एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना (आईटीडीपी) धर्मजयगढ़ को 'बेस्ट परफॉर्मिंग आईटीडीए-आईटीडीपी' के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। इस उपलब्धि के लिए परियोजना को 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई।

धर्मजयगढ़ परियोजना को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान न केवल रायगढ़ जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव

का विषय है। यह उपलब्धि राज्य शासन के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रभावी नीति-निर्माण, जनजातीय कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता तथा जमीनी स्तर पर समर्पित कार्य संस्कृति को भी रेखांकित करती है। यह सम्मान जनजातीय समुदायों के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों, नवाचारों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के आधार पर प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि राज्य में जनजातीय विकास के क्षेत्र में किए जा रहे सतत और परिणाममुखी प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर हुई सराहना का प्रतीक है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनजातीय कार्य विभाग तथा परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रदेश के जनजातीय अंचलों में विकास और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सफलता का प्रमाण है।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने किया नई पार्टी का एलान, कहा- आज से शुरू करने जा रहे आंदोलन

चेन्नई। पूर्व तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देने के बाद अपनी नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत कर रहे हैं, जो आगे चलकर एक नई पार्टी का रूप लेगा। सोशल मीडिया एक्स के जरिए जनता को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि आज से एक नया रास्ता, एक नया आंदोलन और एक नई राजनीतिक यात्रा शुरू हो रही है।

उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक लक्ष्य अब पहले से बड़े हो गए हैं और उन्हें अधिक लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ना है। अन्नामलाई ने दावा किया कि भाजपा में रहते हुए उन्होंने कभी भी तमिलनाडु की पहचान, संस्कृति और राज्य के जल अधिकारों जैसे मुद्दों पर समझौता नहीं किया।

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में नए सत्र से नया ड्रेस कोड, मिलेंगे दो जोड़ी यूनिफॉर्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 16 जून से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र के साथ सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों का लुक भी बदलने जा रहा है। इस बार प्रदेशभर के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को नए रंग और डिजाइन की यूनिफॉर्म उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए राज्य स्तर पर बड़े पैमाने पर यूनिफॉर्म वितरण की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार इस वर्ष विद्यार्थियों को ब्लू चेक पैटर्न वाली शर्ट के साथ स्लेटी रंग की पैंट और ट्यूनिक दी जाएगी। पहले यह बदलाव सीमित संभागों तक था, लेकिन अब इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जा रहा है। नए सत्र में सरकारी स्कूलों के सभी पात्र विद्यार्थियों को दो-दो सेट यूनिफ्ऑर्म उपलब्ध कराई जाएगी। यूनिफॉर्म निर्माण और वितरण की जिम्मेदारी हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ को सौंपी गई है।

बैगा अंचल की संस्कृति से प्रभावित हुई नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर टीम

अंतर्राष्ट्रीय यात्रा लेखिका ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन को बताया अद्भुत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्वप्रसिद्ध यात्रा और संस्कृति आधारित नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर की टीम ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के बैगा बाहुल्य क्षेत्रों का भ्रमण कर यहां की अनूठी सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं का गहन अध्ययन किया। नेशनल जियोग्राफी ट्रैवलर की राइटर एंजेला लोकाटेली तथा फोटोग्राफर

हाजरा अहमद अंसारी ने गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत लमना स्थित विलेज वे-स्टे में प्रवास के दौरान ग्रामीण परिवेश को नजदीक से देखा और स्थानीय समुदायों के साथ संवाद स्थापित किया। उनका यह दौरा जिले की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अपने भ्रमण के दौरान नेशनल जियोग्राफी टीम ने ग्राम लमना, बस्तीबगरा और आमगांव का दौरा किया। यहां उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय की पारंपरिक जीवनशैली, सामाजिक व्यवस्था, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक परंपराओं को करीब से जाना। बैगा समुदाय की प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली, लोक ज्ञान, पारंपरिक कृषि पद्धतियां और सांस्कृतिक विरासत ने टीम को विशेष रूप से प्रभावित किया। ग्रामीणों के दैनिक जीवन, पारंपरिक आवास, खान-पान और सामाजिक गतिविधियों का अवलोकन करते हुए उन्होंने इस क्षेत्र को भारत की जीवंत सांस्कृतिक धरोहरों में से एक बताया।

ग्रामीण आतिथ्य से हुए प्रभावित

नेशनल जियोग्राफी टीम ने जिले में पाए जाने वाले देशी प्रजाति के आमों का स्वाद भी लिया और उनकी विशिष्टताओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान नेशनल जियोग्रानफी ट्रैवलर की टीम को प्रसिद्ध गौरा-गौरी नृत्य का प्रदर्शन भी देखने का अवसर मिला। लोकनृत्य की जीवंत प्रस्तुति, पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों की मधुर ध्वनि ने अतिथियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति से रूबरू कराया।

मुख्यमंत्री साय ने कैंसर पीड़ित महिला के इलाज के लिए स्वीकृत की 21.69 लाख रुपए की राशि

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरबा जिले की 66 वर्षीय कैंसर पीड़ित महिला उमातिन बाई के उपचार के लिए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 21 लाख 69 हजार 344 रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की है। इस सहायता से उनका उपचार रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय (मेकाहारा) में कराया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, फेफड़े के कैंसर से पीड़ित उमातिन बाई के परिजनों ने आर्थिक स्थिति कमजोर

होने के कारण इलाज के लिए सहायता की मांग करते हुए बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन प्राप्त होते ही मामले पर त्वरित संज्ञान लिया गया और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत उपचार हेतु 21.69 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील पहल से मरीज और उसके परिजनों को बड़ी राहत मिली है। परिजनों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी बड़ी आर्थिक सहायता मिलने से अब बेहतर और समय पर उपचार संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह सहयोग उनके परिवार के लिए संबल और नई उम्मीद लेकर आया है।

बता दें कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह ग्राम बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। यहां प्राप्त आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई कर जरूरतमंदों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

संपादकीय

सत्ता बदली, हिंसा बरकरार

बंगाल में चुनाव बाद फिर सुलगा सियासी संग्राम

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस बार ऐतिहासिक बदलाव लेकर आया। हालांकि ऐसा लग रहा है कि यह बदलाव केवल सत्ता के स्तर पर हुआ है, जमीनी हकीकत अब भी वही है। राज्य पहले की तरह ही चुनाव बाद की हिंसा और बदले की कार्रवाइयों में फंसा हुआ है।

टीएमसी नेताओं पर हालिया हमलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहले पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में निशाना बनाया गया। पार्टी इस मुद्दे को अदालत ले जाने और लोकसभा स्पीकर के सामने उठाने की तैयारी में है। इसके बाद, टीएमसी के चीफ विप कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि हुगली जिले में उनके निर्वाचन क्षेत्र में उन पर हमला हुआ।

> “ तृणमूल कांग्रेस इन हमलों के लिए बीजेपी पर आरोप लगा रही है, जबकि यह भी कहा जा रहा है कि ममता शासन के खिलाफ लोगों का दबा गुस्सा अब बाहर निकल रहा है। हालांकि राजनीतिक हिंसा को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। राज्य ने इस बार बदलाव के लिए वोट दिया है और यह बदलाव राजनीतिक परिदृश्य में भी दिखना चाहिए। बीजेपी ने लॉ एंड ऑर्डर को चुनावी मुद्दा बनाया था। अब सरकार में होने के नाते सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर आती है।

तृणमूल कांग्रेस इन हमलों के लिए बीजेपी पर आरोप लगा रही है, जबकि यह भी कहा जा रहा है कि ममता शासन के खिलाफ लोगों का दबा गुस्सा अब बाहर निकल रहा है। हालांकि राजनीतिक हिंसा को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। राज्य ने इस बार बदलाव के लिए वोट दिया है और यह बदलाव राजनीतिक परिदृश्य में भी दिखना चाहिए। बीजेपी ने लॉ एंड ऑर्डर को चुनावी मुद्दा बनाया था। अब सरकार में होने के नाते सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर आती है। किसी को भी किसी भी वजह से कानून हाथ में लेने की छूट नहीं मिलनी चाहिए।

चुनाव बाद हिंसा बंगाल की बहुत पुरानी बीमारी है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भी हिंसा के सैकड़ों केस दर्ज किए गए थे। तब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 1900 से ज्यादा मामलों की जांच की थी। इसमें स्थानीय पुलिस-प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। हालांकि इससे न तो 2023 के पंचायत चुनाव और न ही 2024 के आम चुनावों में कोई सबक लिया गया। इस बार भी चुनाव परिणाम घोषित होते ही कई जगह से तोड़फोड़, मारपीट की खबरें आईं। सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या हुई। रिजल्ट आने के तीन दिन बाद ही बंगाल पुलिस ने 200 से ज्यादा केस दर्ज कर 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। अपने नेताओं पर हमले के विरोध में ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी प्रदर्शन करेगी। उसके और सत्ताधारी बीजेपी के बीच तनाव बना हुआ है। इसका असर शीर्ष नेताओं से लेकर नीचे कार्यकर्ताओं तक दिख रहा है। कानून-व्यवस्था के लिहाज से यह स्थिति चिंताजनक है। सरकार और विपक्ष के बीच अगर ऐसे ही टकराव चलता रहा, तो शासन से जुड़े कामकाज पर असर पड़ेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस विशेष : तकनीकी नवाचार से सशक्त हो रहा पर्यावरण संरक्षण

धनंजय राठौर, सुनील त्रिपाठी

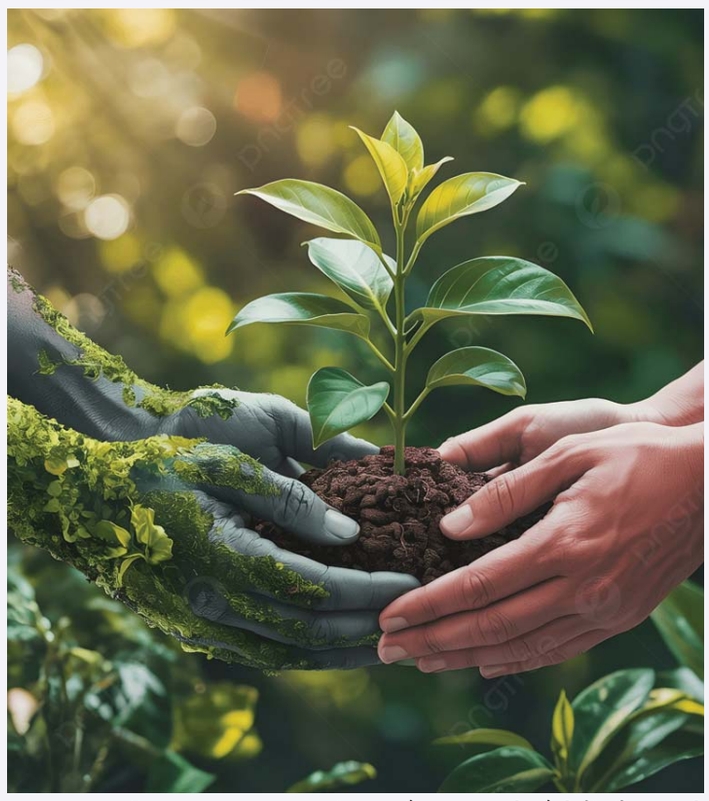

प्रकृति का संरक्षणः वर्तमान की आवश्यकता, भविष्य की जिम्मेदारी

धरती केवल हमारे रहने का स्थान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, हरे-भरे वन और समृद्ध जैव विविधता ही मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार हैं। लेकिन आज जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित दोहन ने पूरी दुनिया के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विकास की दौड़ में प्रकृति की अनदेखी अंततः मानव जीवन के लिए ही खतरा बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता ऐसी विकास नीति की है जो समृद्धि के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी सुरक्षित रखे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार इसी संतुलित विकास की अवधारणा को आगे बढ़ा रही है। राज्य में पर्यावरणीय शासन को आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हुए प्रदूषण नियंत्रण, संसाधन संरक्षण और सतत विकास की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

पर्यावरण संरक्षण में तकनीकी क्रांतिः ड्रोन आधारित निगरानी प्रणाली

21वीं सदी में तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन और संसाधन संरक्षण का प्रभावी उपकरण बन चुकी है। पर्यावरणीय निगरानी के क्षेत्र में ड्रोन आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम इसी परिवर्तन का प्रतीक है। पहले जिन क्षेत्रों तक पहुँचना कठिन था, जहाँ प्रदूषण के स्रोतों की सटीक पहचान में समय लगता था, वहाँ अब अत्याधुनिक सेंसरों से लैस ड्रोन कुछ ही मिनटों में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं।

ड्रोन तकनीक के माध्यम से

ड्रोन तकनीक के माध्यम से PM2.5 एवं PM10 जैसे सूक्ष्म कणों की निगरानी, सल्फर डाइऑक्साइड (SO2) एवं नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO2) जैसे गैसीय प्रदूषकों का विश्लेषण, औद्योगिक चिमनियों से निकलने वाले उत्सर्जन की ऊँचाई पर निगरानी, नदियों एवं जलाशयों की जल गुणवत्ता का परीक्षण, अवैध अपशिष्ट निस्तारण की पहचान तथा प्रदूषण प्रभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों की सटीक मैपिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रभावी ढंग से किए जा रहे हैं। इससे प्रदूषण स्रोतों की शीघ्र पहचान, वैज्ञानिक विश्लेषण तथा त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई संभव हो रही है।

स्मार्ट पर्यावरणीय शासन की दिशा में अग्रसर छत्तीसगढ़

पर्यावरणीय चुनौतियाँ लगातार बदल रही हैं। ऐसे में पारंपरिक निगरानी व्यवस्था को आधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाना समय की मांग है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इसी दृष्टिकोण के साथ तकनीक आधारित पर्यावरणीय शासन को प्राथमिकता दी है।

राज्य में कंटीन्यूअस एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम (CAAQMS) का विस्तार किया जा रहा है। यह प्रणाली चौबीसों घंटे वायु की गुणवत्ता का विश्लेषण कर वास्तविक समय में आंकड़े उपलब्ध कराती है। इससे प्रदूषण की स्थिति का वैज्ञानिक आकलन संभव हो रहा है तथा नागरिकों को भी वायु गुणवत्ता संबंधी जानकारी प्राप्त हो रही है।

उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण को मिली नई मजबूती

औद्योगिक विकास राज्य की आर्थिक प्रगति का आधार है, लेकिन यह पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप हो, यह सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। इसी उद्देश्य से उद्योगों में कंटीन्यूअस एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम (CEMS) लागू किया गया है। यह प्रणाली उद्योगों के उत्सर्जन की निरंतर निगरानी करती है और किसी भी मानक उल्लंघन की स्थिति में तत्काल जानकारी उपलब्ध कराती है। इससे प्रदूषण नियंत्रण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनी है।

सीपीएस ट्रैकिंग से खतरनाक अपशिष्टों पर नियंत्रण

औद्योगिक अपशिष्टों का वैज्ञानिक प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण कड़ी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने खतरनाक अपशिष्टों के परिवहन एवं निपटान की निगरानी के लिए GPS आधारित ट्रैकिंग प्रणाली लागू की है। इस व्यवस्था से अपशिष्ट के उत्पन्न होने से लेकर उसके अंतिम निस्तारण तक की सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध रहती है। इससे अवैध डंपिंग और पर्यावरणीय क्षति की संभावनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

अत्याधुनिक पर्यावरण प्रयोगशालाएँ वैज्ञानिक निर्णयों का आधार

सटीक आंकड़े और वैज्ञानिक विश्लेषण किसी भी प्रभावी पर्यावरणीय नीति की आधारशिला होते हैं। राज्य में स्थापित अत्याधुनिक केंद्रीय पर्यावरण प्रयोगशाला वायु, जल, मिट्टी और अपशिष्ट नमूनों का उच्च स्तरीय परीक्षण कर रही है। इसके अतिरिक्त मोबाइल पर्यावरण प्रयोगशालाएँ भी आकस्मिक निरीक्षण और त्वरित परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से प्रदूषण की घटनाओं का शीघ्र पता लगाया जा सकता है और आवश्यक कार्रवाई समय पर सुनिश्चित की जा सकती है।

पर्यावरण संरक्षण और उद्योगों के बीच संतुलन

प्रदेश सरकार ने पर्यावरणीय मानकों से समझौता किए बिना उद्योगों के लिए प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाया है।स्थापना अनुमति (CTE) और संचालन अनुमति (CTO) की प्रक्रियाओं को समयबद्ध एवं डिजिटल बनाया गया है। अनेक श्रेणियों में स्व-प्रमाणन आधारित नवीनीकरण की सुविधा प्रदान कर उद्योगों को राहत दी गई है। यह पहल इस बात का उदाहरण है कि पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

जनभागीदारीः हरित भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। यह तब सफल होगा जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इसकी जिम्मेदारी को समझे और निभाए। इसी उद्देश्य से राज्य में ईको-क्लब कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विद्यालयों और महाविद्यालयों के हजारों विद्यार्थी वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम तथा जैव विविधता संरक्षण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। युवा पीढ़ी में पर्यावरणीय चेतना का विकास भविष्य के हरित भारत की मजबूत नींव तैयार कर रहा है।

भविष्य की दृष्टि 2030: हरित विकास का रोडमैप

आने वाले वर्षों में पर्यावरणीय शासन पूरी तरह डेटा-आधारित, पारदर्शी और तकनीक-संचालित होगा। भविष्य की दृष्टि 2030 के अंतर्गत राज्य में स्मार्ट मॉनिटरिंग, डिजिटल पर्यावरणीय प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण की उन्नत प्रणालियाँ तथा जनसहभागिता आधारित संरक्षण मॉडल विकसित किए जा रहे हैं। यह दृष्टिकोण केवल प्रदूषण नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य, स्वच्छ पर्यावरण और उच्च जीवन गुणवत्ता उपलब्ध कराने का व्यापक प्रयास है।

तकनीक और प्रकृति के समन्वय से बनेगा सुरक्षित भविष्य

विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह संदेश देता है कि पृथ्वी की सुरक्षा केवल सरकारों का दायित्व नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।छत्तीसगढ़ में ड्रोन आधारित निगरानी, CAAQMS, CEMS, GPS ट्रैकिंग, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम पर्यावरणीय शासन को नई दिशा दे रहे हैं। ये पहलें न केवल प्रदूषण नियंत्रण को अधिक प्रभावी बना रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने की मजबूत नींव भी तैयार कर रही हैं।

प्रकृति और प्रगति के बीच संतुलन स्थापित करने का यह प्रयास ही छत्तीसगढ़ को हरित विकास की नई पहचान दे रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस पर यही संकल्प सबसे महत्वपूर्ण है - एक ऐसा प्रदेश, जहाँ विकास की गति भी बनी रहे और पर्यावरण की शुद्धता भी।

सहायक संचालक, जनसंपर्क

बुद्धि का सदुपयोग बुद्धिमान होने के लिए महत्वपूर्ण है

पं. विजयशंकर मेहता

केवल बुद्धि से काम नहीं चलता। बुद्धि का सदुपयोग और दुरुपयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। बुद्धि के दुरुपयोग का सबसे बड़ा उदाहरण रावण है और बुद्धि के सदुपयोग का उदाहरण काकभुशुंडि हैं। रावण ब्राह्मण था, विश्व विजेता था, राक्षसों का राजा था। लेकिन बुद्धि के मामले में गड़बड़ा गया। काकभुशुंडि पक्षी, और उसमें भी निकृष्ट कौवा, लेकिन बुद्धि का खूब उपयोग किया।

गरुड़ से उन्होंने कहा- सुनु खगेस रघुपति प्रभुताई, कहउं जथामति कथा सुहाई। पक्षीराज गरुड़ रघुनाथ जी की प्रभुता सुनिए। मैं अपनी बुद्धि के अनुसार वह सुहावनी कथा कहता हूं।'अपनी बुद्धि के अनुसार' शब्द बड़े महत्वपूर्ण हैं। ज्ञान के साथ समझ पैदा हो तब बुद्धि कहलाती है। और बुद्धि परिष्कृत हो तो प्रज्ञा है।

चार तरह की बुद्धि हैं- आईक्यू- तार्किक सोच, ईक्यू- भावनात्मक सोच, एसक्यू- सामाजिक सोच और एक्यू- एडवर्सिटी कोशेंट यानी चुनौतियों का सामना कैसे करें। बुद्धि थोड़ी-अधिक सभी के पास है, पर बुद्धिमान होने के लिए प्रयास करना पड़ता है।

दुनिया में देश की अच्छी छवि पेश करना भी हमारा फर्ज है

आरती जेरथ

किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय पर्यटकों के बारे में सर्च कर लीजिए, विदेश यात्राओं के दौरान उनके व्यवहार, या कहें दुर्व्यवहार के अनेक वीडियो सामने आ जाएंगे। एक समूह चीन की दीवार पर उत्सवी परिधान पहनकर गरबा कर रहा है। दूसरा वियतनाम में हनोई की प्रसिद्ध ट्रेन स्ट्रीट पर शाहरुख खान के गीत 'छैंया छैंया' पर नाच रहा है। एक ग्रुप वियतनाम के ही एक एयरपोर्ट में रनवे के समीप की सड़क पर डांस कर रहा है, जिससे वहां का सुरक्षा स्टाफ परेशान नजर आता है। जबकि एक अन्य, अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर स्थित इगुआजु फॉल्स की बोट सफारी करते हुए 'इंडिया, इंडिया' के नारे लगा रहा है।

इससे पहले उन्हीं लोगों ने नाव में चढ़ते वक्त कतार तोड़ने की कोशिश में धक्का-मुक्की भी की थी। पेरिस, लंदन, बैंकॉक, बाली तक ऐसे कई उदाहरण आपको दिख जाएंगे। विरले ही ऐसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बचे होंगे, जहां भारतीय पर्यटकों ने व्यवस्था में खलल न डाला हो। एक वक्त था, जब विदेशों में अपने अक्खड़ रवैये के कारण अमेरिकी पर्यटकों को 'द अग्ली अमेरिकन' कहा जाने लगा था।

लगता है भारतीयों पर भी वैसा ही ठप्पा लगने जा रहा है, क्योंकि उनमें से कई स्थानीय भावनाओं की अनदेखी करते पाए जा रहे हैं। यह कहना सही नहीं होगा कि सभी भारतीय पर्यटक ऐसा दुर्व्यवहार करते हैं। असल में तो यात्रा-शिष्टाचार के उल्लंघन को लेकर सोशल मीडिया पर जो नाराजगी दिखाई देती है, वह ज्यादातर भारतीय ही जताते हैं। क्योंकि उन्हें डर है कि मुट्ठीभर लोगों के बिगड़ैल रवैये से न केवल विदेशों में भारत की छवि बिगड़ती है, बल्कि उनके लिए भी माहौल खराब होता है। लेकिन उनके चिंता जताने के बावजूद भारतीय पर्यटकों को लेकर ऐसी कहानियां सामने आती रहती हैं कि वे कीमतों को लेकर उग्र होकर मोलभाव करते हैं, वेटरों और दुकानदारों से रूखेपन से बात करते हैं और यहां तक कि होटलों से साबुन, तौलिया जैसी चीजें भी चुरा लाते हैं। हाल ही में उद्योगपति हर्ष गोयनका ने 'एक्स' पर अपने साथ हुई ऐसी शर्मनाक घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि ऐसे व्यवहार के कारण 'ब्रांड इंडिया' को कैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है।

उन्होंने बताया कि स्विट्जरलैंड के पर्यटन स्थल ग्स्टाड के एक होटल में भारतीय पर्यटकों के लिए विशेष नियमों की सूची देखकर वे हैरान रह गए। होटल के हर कमरे में लगे नोटिस में भारतीयों के लिए चेतावनी थी कि वे मुफ्त ब्रेकफास्ट बुफे से खाना बाहर न ले जाएं। सिर्फ उपलब्ध कराई गई कटलरी ही इस्तेमाल करें और बालकनी तथा गलियारों में शोर न मचाएं। उन्होंने एक और घटना बताई कि एक भारतीय कारोबारी किसी साल दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में गए और रेस्तरां में इतना तेज पंजाबी म्यूजिक बजाने लगे कि पूरा शहर सुन ले। वे इसे भारत की 'सॉफ्ट पावर' का प्रदर्शन बता रहे थे। असल बात यह है कि देश में रहकर सिविक सेंस की जो कमी हम प्रदर्शित करते हैं, वो अब विदेश में भी नजर आने लगी है। रोजाना हम देखते हैं कि हवाई जहाजों और रेस्तरां में बच्चों को उछल-कूद मचाने दिया जाता है। माता-पिता दूसरों को हो रही परेशानी से बेखबर बैठे रहते हैं। लोग सड़क पर चॉकलेट के रैपर और चिप्स के खाली पैकेट फेंक देते हैं। सोमवार को किसी सार्वजनिक पार्क में जाइए, जहां परिवारों ने रविवार को पिकनिक मनाई हो। जगह-जगह कागज की प्लेटें, गिलास और जूठन तक बिखरी होती है, जबकि वहां बाकायदा कूड़ेदान लगे होते हैं। कई देशों में, खासकर विकसित देशों में, बुनियादी सिविक सेंस स्कूलों से ही सिखाया जाता है और घरों में उसका पालन कराया जाता है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

खाद्य हानि से खाद्य नेतृत्व की ओर : दक्षिण एशिया के लिए अगला बड़ा अवसर है खाद्य प्रसंस्करण

चिराग पासवान

दक्षिण एशिया खाद्य प्रणालियों की अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। समृद्ध कृषि-जैव विविधता वाला एक प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, खेत से उपभोक्ता तक पहुँचने की प्रक्रिया में अभी तक बहुत अधिक मूल्य नष्ट हो जाता है—जो किसानों, रोजगार और पोषण के लिए एक चूका हुआ अवसर है।

भारत इस विरोधाभास का स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत दूध और दालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक तथा फल और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके बावजूद, कटाई के बाद की प्रक्रियाओं, भंडारण, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण में मौजूद कमियों के कारण खाद्य पदार्थों की बड़ी मात्रा में हानि होती रहती है। इससे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) सहित वैश्विक विकास प्राथमिकताओं की दिशा में होने वाली प्रगति प्रभावित होती है। यह केवल अक्षमता भर नहीं है, बल्कि चूका हुआ अवसर भी है। बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थों का प्रत्येक टन, किसानों की खोई हुई आमदनी, युवाओं के लिए खोए हुए रोजगार के अवसर और परिवारों के लिए खोए हुए पोषण का प्रतीक है। इसलिए, इस हानि को मूल्य में बदलना अब एक क्षेत्रीय प्राथमिकता बन जाना चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण मूल्यवर्धित कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी है। यह खेतों को बाजारों से, किसानों को उद्योगों से तथा स्थानीय उत्पादन को क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ता है। इस प्रकार, यह कृषि और व्यापक आर्थिक परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है।

मात्रा से मूल्य की ओर

दशकों से कृषि नीतियों का मुख्य उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है। इस प्रयास ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाए हैं। लेकिन अब अगले चरण में मूल्य सृजन, रोजगार के अवसरों के सृजन, किसानों की आय में वृद्धि और पोषण संबंधी परिणाम बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत में, वर्तमान में कृषि उपज का केवल लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्कृत किया जाता है। क्षेत्र की पूर्ण आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 2030 तक लगभग 25 प्रतिशत करना आवश्यक है। साथ ही, कटाई के बाद होने वाली खाद्य हानियों को कम करना और प्रसंस्करण से जुड़े तंत्रों को मजबूत बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, ताकि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक मूल्य बना रहे। खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों की भंडारण अवधि बढ़ाता है, खाद्य सुरक्षा में सुधार करता है तथा नए और घरेलू निर्यात बाजारों तक पहुँच के अवसर प्रदान करता है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आर्थिक मूल्य के बड़े हिस्से को उत्पादक देशों के भीतर ही बनाए रखने में मदद करता है, जिससे किसानों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

बाज़ार आधारित मूल्य श्रृंखलाओं को आकार देना

इस परिवर्तन को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक चरण —उत्पादन और संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित करने में समन्वित निवेश की आवश्यकता होगी। गुणवत्ता, सुरक्षा, ट्रेसबिलिटी तथा लागत-प्रभावशीलता के प्रति उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अधिक एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य होगा। दक्षिण एशिया की समृद्ध कृषि-जैव विविधता उच्च मूल्य वाले उत्पादों के विकास की अपार संभावनाएँ प्रदान करती है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक मांग अधिक विविधतापूर्ण, पौष्टिक और विशिष्ट खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रही है। साथ ही, डिजिटल समाधान ट्रेसबिलिटी को मजबूत करने, गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने और लगातार जटिल होते वैश्विक बाज़ारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसमें सार्वजनिक निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन इसे निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। निवेश को बड़े पैमाने पर आकर्षित करने के लिए व्यावसायिक वातावरण को मजबूत बनाना, जोखिमों को कम करना तथा प्रभावी सार्वजनिक-निजी साझेदारी को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत ने इस दिशा में पहले ही प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना तथा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए ज़रूरी कदम उठाए हैं। ये कदम बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार करने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिससे अधिक गतिशील, प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के लिए नींव रखी जा रही है।

रोजगार के अवसर वहीं, जहाँ उनकी सर्वाधिक आवश्यकता है

पूरे दक्षिण एशिया में लाखों युवा हर वर्ष श्रम बाज़ार में प्रवेश करते हैं, जबकि कृषि क्षेत्र अकेले अब इस बढ़ती हुई श्रम शक्ति को समाहित करने में सक्षम नहीं है। ऐसे में खाद्य प्रसंस्करण एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। उत्पादन केंद्रों के निकट उद्योगों की स्थापना करके यह लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, खाद्य प्रौद्योगिकी और संबंधित सेवाओं के क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत रोजगार सृजित करता है। साथ ही, यह उद्यमिता के नए अवसर भी प्रदान करता है, जिससे सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बढ़ने, औपचारिक बनने और आधुनिक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। यही इस क्षेत्र की वास्तविक संभावनाएँ निहित हैं केवल खाद्य में मूल्य जोड़ने में नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर सार्थक रोजगार सृजित करने में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में तथा महिलाओं और युवाओं के लिए ।

बदलते वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धा

भारत के प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है, जो वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। जिस प्रकार नए व्यापार समझौते बाज़ार के अवसर उत्पन्न कर रहे हैं, ऐसे में अब ध्यान कच्चे कृषि उत्पादों के निर्यात से हटकर उच्च मूल्य वाले प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात की ओर केंद्रित होना चाहिए।

वैश्विक उपभोक्ता अब ऐसे खाद्य पदार्थों की अधिक मांग कर रहे हैं जो सुरक्षित, पौष्टिक, ट्रेस करने योग्य और सतत रूप से उत्पादित हों। इससे गुणवत्ता, मानकों और नवाचार का महत्व और बढ़ जाता है ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है।

इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए तकनीक, गुणवत्ता अवसंरचना, ट्रेसबिलिटी प्रणालियों और ब्रांडिंग में और अधिक निवेश करना आवश्यक होगा। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण उत्पादकों और उद्यमों को मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में सक्षम बनाएगा।

खाद्य हानि को कम करना भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव घटाने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। साथ ही, अपशिष्ट मूल्यवर्धन- अर्थात कृषि उप-उत्पादों को नए उत्पादों में बदलने की दिशा में रहे नवाचार भी नए आर्थिक अवसरों को जन्म दे रहे हैं और पर्यावरणीय प्रभाव को भी कम कर रहे हैं।

सतत खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्टम सभी आयामों में मूल्य प्रदान करता है: बेहतर पोषण परिणामों में सहायता करता है, पर्यावरणीय पदचिह्नों को घटाता है और मूल्य श्रृंखला में आय तथा रोजगार के अवसर बढ़ाता है।

दक्षिण एशिया के नेतृत्व के लिए एक अवसर

साउथ एशियन पॉलिसी लीडरशिप फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन एंड ग्रोथ (एसएपीएलआईएनजी) जैसे क्षेत्रीय मंच इस परिवर्तन को गति देने में मदद कर रहे हैं—सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और निवेश का ऐसा स्थान तैयार कर रहे हैं, जिसे कोई भी देश अकेले हासिल नहीं कर सकता। अनलॉकिंग वैल्यू डायलॉग इसी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण है: यह पूरे क्षेत्र के नीति-निर्माताओं, नवाचारकर्ताओं, उद्योग जगत के दिग्गजों और विकास साझेदारों को एक साथ लाकर ऐसे संबंध स्थापित करता है, ज्ञान साझा करता है और साझेदारियाँ बनाता है, जो बेहतर रोजगार और अधिक मजबूत खाद्य प्रणालियों में परिवर्तित हो सकें। उत्पादन और नीतिगत नवाचार दोनों में अग्रणी होने के नाते भारत को इस क्षेत्रीय परिवर्तन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

इसी भावना के साथ, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय अगले एसएपीएलआईएनजी उच्च-स्तरीय नीतिगत संवाद की मेज़बानी करने के लिए उत्सुक है, जो विश्व बैंक समूह सहित सरकारों, व्यवसायों और विकास साझेदारों को एक साथ लाया जाएगा, ताकि ऐसे समाधानों को आगे बढ़ाया जा सके, जो रोजगार सृजित करें, निवेश को बढ़ावा दें और पूरे दक्षिण एशिया में अधिक मजबूत खाद्य प्रणालियाँ विकसित करें।

(लेखक केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हैं)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

नैनो उर्वरकों के प्रयोग से गेंहू का बंपर उत्पादन, लागत घटी और आमदनी बढ़ी

दुर्ग। कृषि के क्षेत्र में आधुनिक और वैज्ञानिक तौर-तरीकों को अपनाकर महिलाएं अब न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक नई दिशा दे रही हैं। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के विकासखंड पाटन के ग्राम उतई की एक महिला कृषक श्रीमती अंजनी ने नैनो टेक्नोलॉजी (उर्वरक) का सफल प्रयोग कर पारंपरिक खेती की पूरी तस्वीर बदल दी है। उन्होंने चालू रबी सीजन में अपने 40 डिसमिल रकबे में बोई गई गेंहू की फसल में रासायनिक खादों के अंधाधुंध उपयोग को बंद करते हुए, पूरी तरह से कृषि विभाग द्वारा अनुशंसित नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया के छिड़काव को प्राथमिकता दी। इस आधुनिक तकनीकी बदलाव का सुखद परिणाम यह रहा कि उन्हें इस बार गेंहू की गुणवत्तापूर्ण और रिकॉर्ड पैदावार हासिल हुई, साथ ही खेती की इनपुट कॉस्ट (लागत) में भी भारी गिरावट आई।

आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे बंदी ने प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की 12वीं की परीक्षा

दुर्ग। शिक्षा वह प्रकाश है जो जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी आशा की नई किरण जगाता है। इसका प्रेरणादायी उदाहरण केन्द्रीय जेल दुर्ग में देखने को मिला, जहां एक आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे बंदी विमल ने शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को नई दिशा देने का अनुकरणीय कार्य किया है। सुपेला, भिलाई निवासी बंदी वर्ष 2018 से भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 302 के प्रकरण में केन्द्रीय जेल दुर्ग में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहा था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से उसने जेल प्रशासन द्वारा संचालित पाठशाला में अध्ययन प्रारंभ किया। कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बीच उसने कक्षा पहली से लेकर कक्षा बारहवीं तक की शिक्षा पूरी की। उसकी लगन, परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिणाम यह रहा कि उसने कक्षा 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा अंग्रेजी विषय में डिस्टिंक्शन प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।

लापरवाही बरतने पर स्टाफनर्स की रुकी दो वेतन वृद्धियां

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के जनदर्शन में आम जनता की शिकायतों पर हो रही त्वरित कार्यवाही के तहत जिला चिकित्सालय दुर्ग में पदस्थ स्टाफ नर्स मोनिका पटेल को कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही बरतने पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा कड़े दंड से दंडित किया गया है। ज्ञात हो कि जिले के पचरी पारा की निवासी प्रसूता श्रीमती राखी यादव पति अजय कुमार यादव ने विगत दिवस कलेक्टर जनदर्शन में स्टाफनर्स की इस लापरवाही के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर सिंह के निर्देशन में सीएमएचओ जिला दुर्ग द्वारा कराई गई जांच में स्टाफ नर्स दोषी पाई गईं। इस पर कार्यवाही करते हुए संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा गया।

खेलो इंडिया अस्मिता साइक्लिंग लीग : खेल गांव खम्हरिया में जुटे साइकिलिस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय खेल प्राधिकरण भारत सरकार एवं साइक्लिंग फेडरेशन ऑफइंडिया के निर्देशन में सम्पूर्ण भारतवर्ष में विश्व बाइसीकल दिवस एवं अस्मिता साइक्लिंग लीग का आयोजन 1 से 15 जून तक किया जा रहा है। इस आयोजन के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में प्रथम अस्मिता साइक्लिंग लीग दुर्ग जिले के खेल गांव खम्हरिया में साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वाधान में 4 जून को प्रात: 6 बजे भारतमाला रोड में आयोजित किया गया।

दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर तथा साइकलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर हिमांशु द्विवेदी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु बधाइयां दी। इस कार्यक्रम के आयोजक साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के महासचिव विनायक चन्नावार तथा दुर्ग जिला साइकलिंग संघ के सचिव देवप्रकाश वर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि विश्व बाइसीकल दिवस में खेलगांव खम्हरिया एवं

आसपास क्षेत्र के समस्त वर्ग के नागरिक, खिलाड़ी लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वहीं अस्मिता साइक्लिंग लीग में खेलगांव खम्हरिया एवं आसपास क्षेत्र के समस्त बालिका व महिलाएं भाग लिए। कार्यक्रम के संयोजक बालकदास डहरे तथा सह संयोजक बिसौहा राम साहू एवं शशांक देशमुख रहे। अस्मिता साइक्लिंग लीग तीन आयु वर्ग में आयोजित की गई, सब जूनियर बालिका वर्ग में प्रथम डॉली साहू द्वितीय रेशमा साहू एवं तृतीय खेमिन सोनवानी रहीं।

जूनियर बालिका में प्रथम रेशमा साहू, द्वितीय निशा व तृतीय तेजेश्वरी रही। इसी प्रकार सीनियर वर्ग में प्रथम लीना ठाकुर द्वितीय कमलेश्वरी एवं तृतीय ओमेश्वरी रहे। इसके अलावा समस्त प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के कोषाध्यक्ष बीना मिश्रा, तोशेनद्र कुमार वर्मा साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ दुर्ग डिस्ट्रिक्ट के सचिव देवप्रकाश वर्मा, एनआईएस कोच टिकेश्वर, अभिषेक मिश्राआदि का विशेष योगदान रहा।

दुर्ग को 80 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया लोकार्पण-भूमिपूजन

दुर्ग। सुशासन तिहार 2026 के तहत दुर्ग जिले में आयोजित जिला स्तरीय विशाल समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले को लोक निर्माण विभाग के 79 करोड़ 91 लाख रुपए के विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात दी। झाड़ू राम देवांगन स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शिक्षा, जेल, राजस्व, सड़क तथा अधोसंरचना से जुड़े कुल 11 महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

इन परियोजनाओं में 51 करोड़ 93 लाख रुपये के 6 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 27 करोड़ 96 लाख रुपये के 5 नए कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। राज्य सरकार का लक्ष्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है और इन परियोजनाओं के पूरा होने से दुर्ग जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

चार विधानसभा क्षेत्रों को मिला विकास का लाभ

दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में 16 करोड़ 54 लाख रुपये के एक बड़े सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन और 13 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत वाले पांच कार्यों का लोकार्पण किया गया। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ 58 लाख रुपये की लागत के तीन विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में 85 लाख रुपये के एक सड़क निर्माण

कार्य की आधारशिला रखी गई, जबकि पाटन विधानसभा क्षेत्र में 38 करोड़ 77 लाख रुपये की लागत से निर्मित महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं खेल अधोसंरचना का लोकार्पण किया गया।

जेल, कॉलेज और कार्यालय भवनों का लोकार्पण

दुर्ग शहर क्षेत्र में जिन प्रमुख कार्यों का लोकार्पण किया गया, उनमें केंद्रीय जेल दुर्ग परिसर में 8 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से निर्मित आवासीय भवन शामिल हैं। इसके अलावा दुर्ग जेल में 50 बंदियों की क्षमता वाले चार नए बैरकों का निर्माण 2 करोड़ 32 लाख रुपये की लागत से किया गया है। जिला पंजीयक एवं उप पंजीयक संयुक्त कार्यालय भवन का निर्माण 86 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया है। वहीं शासकीय विज्ञान, कला एवं वाणिज्य स्नातकोतर महाविद्यालय तथा शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटनकर कन्या पीजी महाविद्यालय में तीन-तीन अतिरिक्त कक्षों का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है।

पाटन में सेंटर ऑफएक्सीलेंस और इंडोर स्टेडियम का लोकार्पण

पाटन विधानसभा क्षेत्र को सबसे बड़ी परियोजना के रूप में लगभग 38 करोड़ 78 लाख रुपये की लागत से निर्मित सेंटर ऑफएक्सीलेंस, इंडोर स्टेडियम और स्टाफ क्वार्टर की सौगात मिली। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर पीजी कॉलेज परिसर में विकसित यह अधोसंरचना उच्च शिक्षा और खेल गतिविधियों को नई दिशा देगी।

सड़क और छात्रावास निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

भूमिपूजन किए गए प्रमुख कार्यों में दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में 16 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से चंडी मंदिर से नया पारा तक सड़क निर्माण कार्य शामिल है। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर, भिलाई में 100-100 सीटर कन्या एवं बालक छात्रावास निर्माण के लिए क्रमश: 3 करोड़ 92 लाख और 3 करोड़ 68 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा अंजोरा-थनौद-चंगोरी मार्ग सहित आठ अन्य सड़कों के मजबूतीकरण कार्य के लिए 2 करोड़ 97 लाख रुपये की परियोजना का भूमिपूजन किया गया। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में इंदिरा नगर जुनवानी से विभिन्न तीन कॉलोनियों तक पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 86 लाख रुपये की लागत वाले कार्य की आधारशिला रखी गई। दुर्ग जिले में इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और जिले के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति प्राप्त होगी।

पीडब्ल्यूडी की पहल से बदल रही जिले की तस्वीर

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री आशीष भट्टाचार्य के अनुसार लोक निर्माण विभाग द्वारा दुर्ग जिले में सड़क, भवन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभाग उन्नत तकनीक और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क को मजबूत कर रहा है। इससे आवागमन आसान होने के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है।विभाग द्वारा पुल-पुलियों के निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, यातायात सुधार तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए रेन वाटर हार्वेस्टिंग और पौधारोपण जैसे उपाय भी किए जा रहे हैं। आधुनिक इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम और मोबाइल लैब के जरिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की लगातार निगरानी की जा रही है।

भिलाई निगम में तीन वर्ष की पूर्ण करने वाले चार कर्मचारी हुए स्थायी

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने तीन वर्ष की परीवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले चार कर्मचारियों को स्थायीकरण की सौगात दी है। इस संबंध में निगम प्रशासन द्वारा आधिकारिक आदेश जारी कर संबंधित कर्मचारियों को निगम सेवा में स्थायी घोषित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार सहायक ग्रेड-03 नम्रता सिंह ठाकुर, पूर्वाश नायडू, एस. कुलदीप रोशन तथा स्वच्छता पर्यवेक्षक त्रिवेणी देशपाण्डेय को नगर पालिक निगम भिलाई की सेवा में स्थायी किया गया है। इन कर्मचारियों ने निर्धारित तीन वर्ष की परीवीक्षा अवधि पूर्ण करने के बाद विभागीय प्रक्रिया एवं आवश्यक औपचारिकताएं सफलतापूर्वक पूरी कीं, जिसके उपरांत स्थायीकरण का आदेश जारी किया गया। निगम आयुक्त ने कहा कि कर्मचारियों की कार्यकुशलता, अनुशासन एवं सेवा अवधि के मूल्यांकन के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। स्थायीकरण से कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा मिलने के साथ-साथ उनके मनोबल में भी वृद्धि होगी, जिससे वे और अधिक जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य कर सकेंगे। स्थायी हुए कर्मचारियों ने निगम प्रशासन एवं आयुक्त के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी निगम हित में काम करने का भरोसा दिलाया।

मंकिनम्मा संबरालु : सांसद बघेल हुए शामिल, बोले- यह तेलुगू समाज की आस्था और परम्परा का प्रतीक

■ सांसद ने खुर्सीपार में पूजा अर्चना कर झांकियों का अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वार्ड क्रमांक 45, जोन-2 अल्लपूरी सीता राम चौक बालाजी नगर खुर्सीपार भिलाई में तेलुगु समाज द्वारा आयोजित श्री श्री श्री मंकिनम्मा संबरालु शीतला माता महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल शामिल हुए। उन्होंने माता मंकिनम्मा संबरालु महोत्सव को तेलुगू समाज की आस्था और परम्परा का प्रतीक बताया। सांसद ने माता मंकिनम्मा की पूजा अर्चना कर नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न आकर्षक झांकियों का अवलोकन किया।

सांसद विजय बघेल ने पूजा-अर्चना कर माता मंकिनम्मा से क्षेत्र एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि भिलाई वास्तव में मिनी भारत है, जहां देश के विभिन्न राज्यों के लोग अपनी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों के साथ मिल-जुलकर रहते हैं। उन्होंने कहा कि तेलुगु समाज द्वारा आयोजित यह महोत्सव आंध्र प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण है। यहां की मनमोहक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो हम आंध्र प्रदेश की धरती पर पहुंच गए हों।

संस्कृति समिति के अध्यक्ष के. श्याम सुंदर राव ने बताया कि यह महोत्सव वर्षों से तेलुगू समाज की आस्था और परंपरा का प्रतीक रहा है। इस वर्ष भी आंध्र प्रदेश की अनेक आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर भ्रमण यात्रा में भगवान बालाजी की झांकी, कोबरा डांस, अलारु नृत्य, नौ दुर्गा स्वरूप, वडुका पडम, अक्का अलाडु, जालरी संस्कृति तथा विशाखापट्टनम की प्रसिद्ध सांस्कृतिक झलकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

आयुक्त ने खुर्सीपार में सड़क निर्माण और सफाई व्यवस्था का लिया जायजा, टूटेगी अवैध बाउंड्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का निरीक्षण कर प्रस्तावित सड़क निर्माण, नालियों की सफाई व्यवस्था तथा अवैध बाउंड्रीवाल निर्माण का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने तथा सड़क पर अतिक्रमण कर बनाए गए अवैध बाउंड्रीवालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने सम्राट अशोक चौक से खुर्सीपार बस्ती एवं गुरुद्वारा मार्ग होते हुए खुर्सीपार थाना के पीछे स्थित वार्ड तक प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण कर सड़क निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र की नालियों की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। आयुक्त ने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएए ताकि जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो और नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस दौरान यह भी सामने आया कि कुछ स्थानीय नागरिकों द्वारा अपने घरों के सामने अवैध रूप से बाउंड्रीवाल निर्माण कर लिया गया है, जिससे सड़क की चौड़ाई कम हो गई है और आवागमन प्रभावित हो रहा है। आयुक्त ने संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार आदि उपस्थित रहे।

कार्रवाई : हनोदा नहर क्षेत्र में सरकारी जमीन से हटाया कब्जा, चला बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जल संसाधन विभाग के अधीन हनोदा माइनर नहर, जो नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्रांतर्गत डीपीएस स्कूल से वीआईपी नगर तक प्रवाहित है। उक्त नहर क्षेत्र एवं विभागीय स्वामित्वाधीन शासकीय भूमि पर विगत कई वर्षों से किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाने जल संसाधन विभाग एवं नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया गया।

नहरें एवं उनसे संबद्ध शासकीय भूमि केवल विभागीय परिसंपत्तियां मात्र नहीं हैं, बल्कि वे सार्वजनिक उपयोगिता की महत्वपूर्ण संरचनाएं हैं, जिनका संरक्षण, अनुरक्षण एवं अतिक्रमणमुक्त रखा जाना जनहित, जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन तथा विभागीय दायित्वों के सुचारू निर्वहन के लिए अत्यंत आवश्यक है। नहर क्षेत्र में किया गया अवैध अतिक्रमण न केवल शासकीय भूमि पर अनधिकृत कब्जे की श्रेणी में आता है, बल्कि इससे नहरों के

नियमित अनुरक्षण, निरीक्षण, मरम्मत कार्यों एवं अन्य विभागीय गतिविधियों में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होती हैं, जिससे सार्वजनिक परिसंपत्तियों की उपयोगिता एवं प्रभावशीलता प्रभावित होने की संभावना बनी रहती है।

कलेक्टरअभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार संचालित इस कार्यवाही के पूर्व संबंधित अतिक्रमणकर्ताओं को स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने हेतु पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित अवधि समाप्त होने के उपरांत जल संसाधन विभाग एवं नगर पालिक निगम रिसाली के संयुक्त दल द्वारा स्थल पर पहुंचकर विधिसम्मत प्रक्रिया के अंतर्गत अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। अभियान में नगर पालिक निगम रिसाली के योगेश सूरे, सहायक राजस्व निरीक्षक, संतोष तिवारी, सहायक राजस्व निरीक्षक, रामेशर राम, सहायक राजस्व निरीक्षक, खिलेश कोसरे, भावेश सोनवानी, झामुनंद, दयालदास, एवं किरण देशमुख, तथा जल संसाधन विभाग के भास्कर यादव, उप अभियंता, भावना सिन्हा, उप अभियंता, साक्षी सिंह, उप अभियंता एवं प्रखर यादव, अमीन की सक्रिय सहभागिता रही।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण जनहित के विरुद्ध

कार्यपालन अभियंता आशुतोष सारश्वत ने बताया कि जल संसाधन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि विभाग के अधीनस्थ नहरों, जल संरचनाओं, अनुरक्षण मार्गों एवं शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण शासन के हितों, विभागीय अधिकारों तथा व्यापक जनहित के प्रतिकूल है। शासकीय भूमि पर अनाधिकृत कब्जा अथवा अतिक्रमण किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है तथा ऐसी प्रवृत्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। जल संसाधन विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे शासकीय भूमि, नहरों एवं अन्य सार्वजनिक उपयोगिता की संरचनाओं पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें तथा सार्वजनिक परिसंपत्तियों के संरक्षण में प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

अतिक्रमण पर होगी नियमानुसार कार्रवाई

विभाग द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र अंतर्गत स्थित समस्त नहरों, जल संरचनाओं एवं विभागीय भूमि की सतत निगरानी की जा रही है। जहां कहीं भी शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण पाया जाएगा, वहां बिना किसी भेदभाव के नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। शासकीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण एवं उनके मूल उद्देश्य के अनुरूप उपयोग बनाए रखना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सम्मिलित है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

स्वास्थ्य संस्थानों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए कार्यों में तेजी और गुणवत्ता पर जोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने दवाओं एवं चिकित्सा सामग्रियों की उपलब्धता, क्रय एवं निविदा प्रक्रियाओं, चिकित्सा उपकरणों के संचालन व रखरखाव, स्वास्थ्य अधोसंरचना निर्माण कार्यों तथा प्रशासनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा की है। समीक्षा करते हुए सभी कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के ने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी शाखाओं को समन्वित, लक्ष्यकेंद्रित और समयबद्ध तरीके से कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय सीमा में परिणाम देने पर विशेष जोर दिया। समीक्षा के दौरान विभिन्न शाखाओं ने अपने कार्यों की प्रगति और आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की। बैठक में औषधि, चिकित्सा उपकरण, निर्माण, मानव संसाधन, प्रशासन और सूचना प्रौद्योगिकी शाखाओं के कार्यों का विस्तृत आकलन किया गया।

मोर गांव, मोर पानी, अभियान से बदली तस्वीरः बढ़ा भूजल, मिला रोजगार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और मोर गांव, मोर पानी महाअभियान के समन्वय से पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहा है। दोहरे अभियानों की मुख्य रणनीतियाँ और प्रभाव अभियान का नाम किए गए प्रमुख कार्य धरातल पर असर दिखा। मनरेगा ग्राम पंचायतों, स्कूलों, चरागाहों और सड़कों के किनारे फ्लदार व छायादार पौधों का बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण। हरित क्षेत्र का विस्तार, सिंचाई व घेराबंदी से पौधों की सुरक्षित देखभाल। मोर गांव, मोर पानी महाअभियान के तहत जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत डबरी निर्माण, लूज बोल्डर चेकडैम, परकोलेशन टैंक और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसे कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया गया है। इन कार्यों से वर्षा जल का बेहतर संचयन हो रहा है और भूजल स्तर में सुधार के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

किसान दिनेश को भाया नैनो यूरिया और नैनो डीएपी

रायपुर। आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक नवाचारों ने कृषि क्षेत्र की तस्वीर बदलनी शुरू कर दी है, जिसका एक जीता-जागता उदाहरण बस्तर क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। यहाँ पारंपरिक बोरी वाले उर्वरक को छोड़कर किसान अब नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसी आधुनिक तकनीक को अपना रहे हैं। क्षेत्र के प्रगतिशील किसान दिनेश पाणीग्राही का अनुभव इस बात को दर्शाता है कि नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी न सिर्फ फसलों का उत्पादन बढ़ा रहा है, बल्कि किसानों की जेब और मेहनत दोनों को बचा रहा है और एक बेहतर विकल्प बन गया है। दिनेश पाणीग्राही ने नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग से जुड़े अपने बेहतरीन अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि वह पिछले दो-तीन वर्षों से इस उत्पाद का उपयोग कर रहे हैं।

जनता तक पहुंचे योजनाओं का वास्तविक लाभ प्रशासन जवाबदेही के साथ करे कार्य : मुख्यमंत्री

राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण, पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने और किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासन प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनसमस्याओं का संवेदनशील, पारदर्शी और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत बिलासपुर प्रवास के दौरान बिलासपुर, मुंगेली, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सक्ती एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने विकास कार्यों की प्रगति, राजस्व मामलों, पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं तथा आगामी खरीफसीजन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने राजस्व मामलों की समीक्षा करते हुए समय-सीमा से बाहर तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अन्य राजस्व प्रकरण सीधे नागरिकों के जीवन और आजीविका से जुड़े होते हैं। ऐसे मामलों में अनावश्यक विलंब आमजन की परेशानी बढ़ाता है, इसलिए इनके त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री साय ने ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए सभी जिलों में पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में

पेयजल संकट उत्पन्न न हो, इसके लिए निरंतर निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए संभावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार के लिए अग्रिम तैयारी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं और मूलभूत सुविधाओं के संबंध में किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में मुख्यमंत्री ने आगामी खरीफसीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए खाद एवं बीज की उपलब्धता, भंडारण और वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के कारण डीएपी उर्वरक की सीमित उपलब्धता का उल्लेख करते हुए किसानों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के लिए जागरूक करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एसएसपी, यूरिया, नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी जैसे विकल्पों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

वैज्ञानिक खेती और संतुलित उर्वरक उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ खेती की लागत भी कम की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सतत निगरानी और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सुशासन का वास्तविक उद्देश्य है। यही विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का आधार बनेगा। बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद कमलेश जांगड़े, विधायक अमर अग्रवाल,धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, दिलीप डहरिया, जिला पंचायत अध्यक्षराजेश सूर्यवंशी, मुख्यमंत्री के सचिवपी. दयानंद, विशेष सचिव रजत बंसल, संभागायुक्त सुनील जैन, पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग तथा पांचों जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जनभागीदारी से सफल हो रहा सुशासन तिहार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वे स्वयं प्रदेश में आयोजित समाधान शिविरों में शामिल होकर आम नागरिकों से सीधे संवाद कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जनता का शासन और प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल शिकायतों के निराकरण का अभियान नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना की 28वीं किश्त जारी होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कृषि क्षेत्र में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण और आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे तकनीक आधारित कृषि गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। इससे कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का विस्तार होगा और महिलाओं के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर भी सृजित होंगे।

औद्योगिक प्रतिष्ठानों ने एचआईवी रोकथाम के लिए सहयोग का दिया भरोसा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वास्थ्य भवन रायपुर में गुरूवार को एचआईवी-एड्स के रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर औद्योगिक संस्थानों के सीएसआर प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की गई। आयुक्त सह परियोजना संचालक व अतिरिक्त परियोजना संचालक डॉ. खेमराज सोनवानी के मार्गदर्शन में यह बैठक हुई। बैठक में 38 उद्योगों के प्रतिनिधि श्रम, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों ने एचआईवी रोकथाम के लिए सहयोग का भरोसा दिलाया।

कार्यशाला में प्रभारी संयुक्त संचालक (आईईसी) द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से सीएसआर प्रतिनिधियों को एचआईवी-एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम-2017 के विभिन्न प्रावधानों, अधिकारों एवं दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने एचआईवी जैसे संवेदनशील विषय पर जागरूकता बढ़ाने तथा इससे जुड़े भेदभाव को समाप्त करने में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में उद्योगों से समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने तथा कर्मचारियों एवं श्रमिकों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के प्रसार हेतु सहयोग की अपील की गई। साथ ही कॉर्पोरेट एचआईवी नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उद्योगों के लिए अनुशंसित कार्ययोजना की भी जानकारी दी गई।

प्रवासी श्रमिकों को एचआईवी एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने पर भी चर्चा की गई।

कार्यशाला में 1097 टोल फ्री नंबर और ब्रेकथ्री इंडिया ओआरजी के विषय में भी बताया गया। उद्योगों में शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त करने और सीएसआर प्रतिनिधियों से एच आई वी जागरूकता और रोकथाम पर कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया। कार्यशाला के दौरान विभिन्न उद्योगों के सीएसआर प्रतिनिधियों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं अनुभव साझा किए तथा एचआईवी जागरूकता एवं रोकथाम गतिविधियों में सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सुशासन तिहार : 238 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आमजनो की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिला कोरबा के पाली ब्लॉक के ग्राम पंचायत मुड़ापार में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष जिला पंचायत निकिता मुकेश जायसवाल, जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा शोभा जगत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को स्टॉल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी एवं विभागीय योजनाओं से लाभ प्रदान किया गया। जिसमें जनपद पंचायत पाली अंतर्गत एक हितग्राहियों को राशन कार्ड, एक हितग्राही को पेंशन स्वीकृति आदेश, 03 दिव्यांग हितग्राही को श्रवण यंत्र एवं 01 हितग्राही को वाकिंग स्टीक प्रदान किया गया। साथ ही नन्हें शिशुओं को अन्नप्राशन भी कराया गया।

शिविर में विभिन्न विभाग अंतर्गत मांग व शिकायत से सम्बंधित कुल 1065 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 238 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शेष आवेंदनो का परीक्षण कर शीघ्रता से निराकरण किया जाएगा। इस शिविर में क्लस्टर अंतर्गत शामिल सभी ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक प्रेमचंद ने कहा कि सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

स्वच्छता ही सेवा: जनजागरूकता और जन भागीदारी से स्वच्छता अभियान को मिल रही नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिले में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत सिरियाखोह के स्वच्छता ग्राहियों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देते हुए पुनर्चक्रण योग्य कचरे का संग्रहण एवं विक्रय किया तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया।

स्वच्छता ग्राहियों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई चनवारीडांड को 20 किलोग्राम रंगीन पन्नी, 14 किलोग्राम सफेद पन्नी एवं 14 किलोग्राम प्लास्टिक बोतल सहित कुल 48 किलोग्राम सूखा कचरा विक्रय किया गया। इसके साथ ही घर-घर जाकर ग्रामीणों को सड़क, नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फेंकने, घरों एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा कचरे का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान की सफलता में क्लस्टर समन्वयक प्रभा प्यासी का विशेष योगदान रहा। उनके अथक प्रयासों, सतत मार्गदर्शन एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की प्रतिबद्धता से ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने स्वच्छता ग्राहियों के साथ मिलकर लोगों को स्वच्छ वातावरण के महत्व से अवगत कराया तथा कचरा पृथक्करण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की उपयोगिता समझाई।

अभियान के दौरान सरपंचों एवं सचिवों ने भी ग्रामीणों से गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने, घरों से निकलने वाले कचरे को स्वच्छता ग्राहियों को सौंपने तथा सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य की आधारशिला है।

पानी है तो पेड़ हैं और पेड़ हैं तो पानी है - राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और भविष्य में संभावित जल संकट को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। राज्यपाल ने कहा कि जल और जंगल एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि पानी रहेगा तो पेड़-पौधे सुरक्षित रहेंगे और यदि पेड़ रहेंगे तो जल स्रोतों का संरक्षण संभव होगा।

राज्यपाल ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़कर अधिक

से अधिक वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य में योगदान है। वृक्ष पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने, वर्षा चक्र को मजबूत करने और भूजल स्तर को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने कहा कि देश और दुनिया के अनेक क्षेत्रों में जल स्रोत लगातार घट रहे हैं। भविष्य में जल संकट और गंभीर हो सकता है। वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग, तालाबों और जल स्रोतों का संरक्षण तथा वृक्षारोपण जैसे प्रयास सामूहिक रूप से किए जाएं तो आने वाले वर्षों में जल संकट की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका लोक भवन तथा नया रायपुर स्थित निर्माणाधीन लोक भवन परिसर में वृक्षारोपण करेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जनभागीदारी के माध्यम से एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया जाना चाहिए। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, जल बचाएं और प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर राज्यपाल डेका ने लोक भवन के कर्मचारियों को पौधे भेंट किए तथा उन्हें अपने घरों एवं आसपास पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर लोक भवन के सभी कर्मचारियों के लिए निशुल्क पौधों के वितरण की व्यवस्था की गई है।

सुशासन तिहार शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का अभियान : अरुण साव

विद्युत सब-स्टेशन, पंचायत भवन, डिजिटल सुविधा केन्द्र और उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण की मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार लोगों के लिए भरोसे और राहत का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। उप मुख्यमंत्री तथा स्थानीय विधायक अरुण साव आज लोरमी विकासखण्ड के ग्राम कोदवामहंत में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने वहां विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर लोगों को योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में बच्चों को अन्नप्राशन एवं गोदभराई कराते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उप मुख्यमंत्री साव ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन तिहार केवल एक

कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का अभियान है। छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनकल्याण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। आज प्रदेश में विकास की गति चारों ओर दिखाई दे रही है। गांव-गांव में सड़क, पुल-पुलिया, आवास और मूलभूत सुविधाओं के निर्माण कार्य तेजी से संचालित हैं। हमारी सरकार अपनी सभी गारंटियों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री साव ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत लगभग 67 करोड़ रुपये के सड़क, पुल एवं पुलिया निर्माण के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम कोदवामहंत में 61 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा सीसी रोड एवं पुलिया निर्माण के लिए भी राशि स्वीकृत की गई है, जिससे ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। शासन-प्रशासन जनहित की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। श्री साव ने इस दौरान कोदवामहंत में विद्युत सब-स्टेशन की घोषणा की। उन्होंने बिठलदह में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के लिए 5 लाख रूपए, ग्राम ढोलगी में पंचायत भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए और ग्राम झझपुरीकला में उप स्वास्थ्य केन्द्र के लिए 28.51 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की।

जनपद पंचायत लोरमी की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा विक्रम सिंह और जिला पंचायत की सदस्य श्रीमती अनीता कोमल साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। शिविर में दिव्यांगो को मोटराइज्ड ट्रायसायकल, 10 किसानों को केसीसी चेक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत 20 महिलाओं को चेक, 2 मछली पालकों को मत्स्य जाल, 40 हितग्राहियों को पीएम आवास की चाबी, 10 को फ्लदार पौधे, 5 लोगों को आयुष्मान व वय वंदन कार्ड, 93 को स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय स्वीकृति प्रमाण पत्र, 40 को राशन कार्ड, 5 को मनरेगा जॉब कार्ड, 3 को नोनी सुरक्षा का बॉन्ड पेपर, 3 को विद्यारंभ प्रमाण पत्र, 3 महिलाओं को सुपोषण टोकरी, 10 किसानों को अरहर मिनी किट, 20 श्रमिकों को श्रमकार्ड तथा 10 टीमों को क्रिकेट किट और अन्य खेल सामाग्री प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

बेबी डॉल में दिखेगा संघर्ष और सपनों का सफर, नियति फतनानी

बोली-मनोरंजन की दुनिया का भविष्य है माइक्रो-ड्रामा

मनोरंजन की दुनिया लगातार बदल रही है। जहां कभी लंबे टीवी शोज और दो से तीन घंटे की फिल्में दर्शकों की पहली पसंद हुआ करती थीं, वहीं अब डिजिटल दौर में कंटेंट देखने का तरीका तेजी से बदल रहा है। आज की पीढ़ी कम समय में ज्यादा मनोरंजन चाहती है और यही वजह है कि छोटे वीडियो, वेब सीरीज और माइक्रो-ड्रामा जैसे नए फॉर्मेट तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसी बदलते दौर के बीच अभिनेत्री नियति फतनानी अपने नए माइक्रो-ड्रामा शो बेबी डॉल को लेकर चर्चा में हैं।

उन्होंने इस नए फॉर्मेट में काम करने के अनुभव, अपने किरदार और मनोरंजन उद्योग के भविष्य को लेकर खुलकर बात की। नियति फतनानी ने कहा, माइक्रो-ड्रामा में काम करना टेलीविजन शोज से काफी अलग अनुभव है। आज के समय में कलाकारों के लिए जरूरी है कि वे बदलते ट्रेंड के साथ खुद को भी अपडेट रखें। वर्टिकल वीडियो और माइक्रो-ड्रामा आने वाले समय में मनोरंजन की दुनिया का बड़ा हिस्सा बनने वाले हैं। इस फॉर्मेट की सबसे बड़ी खासियत इसकी तेज रफ्तार है। यहां कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है और दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखने की कोशिश की जाती है। हालांकि यह चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कलाकारों के लिए यह एक नया अवसर भी लेकर आता है।

अभिनेत्री ने कहा, माइक्रो-ड्रामा की दुनिया में काम करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कलाकारों को अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिलता है। एक अभिनेता के रूप में यह अनुभव बेहद रोमांचक होता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और दिखाने का अवसर मिलता है। इससे न केवल अभिनय क्षमता बढ़ती है, बल्कि दर्शकों के साथ जुड़ने का तरीका भी और मजबूत होता है।

नए शो में अपने किरदार को लेकर नियति ने बताया, इस कहानी में मैं एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं जो अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती है। वह एक संघर्षशील कलाकार है, जिसके बड़े सपने हैं और जो इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए लगातार मेहनत कर रही है। लेकिन मुंबई जैसे बड़े शहर में रहना आसान नहीं होता। यहां रोजमर्रा के खर्चे, संघर्ष और प्रतिस्पर्धा किसी भी नए कलाकार के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़े हो जाते हैं।

नियति ने कहा, कहानी में मेरे किरदार को एक एजेंट सफलता का आसान रास्ता सुझाता है। यहीं से कहानी में कई दिलचस्प मोड़ आते हैं। हालांकि यह विषय काफी संवेदनशील है, लेकिन शो की खास बात यह है कि इसे गंभीरता के बजाय हास्य और मनोरंजन के साथ पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, दर्शकों को यह शो इसलिए भी पसंद आएगा, क्योंकि इसमें मनोरंजन के साथ-साथ वास्तविक जीवन की झलक भी देखने को मिलेगी। कहानी एक युवा लड़की के सपनों, संघर्षों और उसके सफर को दिखाती है। साथ ही इसमें ऐसे कई पल हैं जो दर्शकों को हंसाने के साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ेंगे।

जैकी श्रॉफ की हॉरर फिल्म खेती का पोस्टर जारी, पहली झलक में दिखा डर और रहस्य का खौफनाक संसार

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ की अपकमिंग फिल्म 'खेती' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पहली झलक से साफ है कि यह फिल्म हॉरर, सस्पेंस और रहस्य से भरपूर होने वाली है। पोस्टर में दिखाई गई डरावनी थीम ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है।

फिल्म का पोस्टर किसी गांव की जीवन पर आधारित कहानी की ओर इशारा करता है। चारों तरफ फैले खेत और उनके बीच उभरता एक रहस्यमयी चेहरा पूरे पोस्टर को बेहद खौफनाक बना रहा है। चेहरे को पूरी तरह साफनहीं दिखाया गया है, जिससे सस्पेंस और भी बढ़ गया है। 'खेती' का पोस्टर रिलीज होते ही फैंस इसके पीछे छिपी कहानी को लेकर अलग-अलग अंदाजे लगाने लगे हैं।

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का मानना है कि फिल्म किसी पारिवारिक रहस्य, पुराने श्राप या गांव से जुड़े डरावने इतिहास के इर्द-गिर्द घूम सकती है। पोस्टर में इस्तेमाल किए गए डार्क कलर टोन और खेतों का माहौल फिल्म को अलग पहचान दे रहा है। फैंस का कहना है कि लंबे समय बाद किसी हिंदी हॉरर फिल्म का पोस्टर इतना इंटेंस और सस्पेंसफुल नजर आया है।

फिल्म 'खेती' में जैकी श्रॉफ के साथ शरद केलकर भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। वहीं टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री नेहा सरगम इस फिल्म से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं। इसके अलावा फिल्म में वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को देखकर दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। हालांकि मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है, लेकिन पोस्टर रिलीज के बाद से ही फिल्म चर्चा में आ गई है।

गुस्से और नेगेटिव इमोशंस से होती हैं ये बीमारियां

गुस्सा ज्यादा आता हो या फिर चिंता ज्यादा होती है, ये इमोशंस आपकी सेहत पर असर डालते हैं। एक स्टडी से इस बात का खुलासा हुआ है। गुस्सा, दुख, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसे नेगेटिव इमोशन्स होने पर बॉडी में कई ऐसे हॉर्मोन्स बनते हैं जो ऑर्गन्स को नुकसान पहुंचाकर हमें बीमार कर सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम सकारात्मक सोच रखें। डॉक्टर्स की मानें तो हम जिंदगी में जितने ज्यादा खुश रहेंगे हमारी सेहत उतनी ही अच्छी रहेगी।

गुस्सा

ज्यादा गुस्सा आने पर बॉडी में सायटोकिनेस नामक हॉर्मोंस बनने लगते हैं। इनका लेवल बढ़ने पर आर्थराइटिस, डायबीटीज, दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

डर

डर के कारण ब्रेन में इलेक्ट्रिकल और केमिकल ऐक्टिविटी बढ़ जाती है। इससे ऐड्रेनलिन नामक हॉर्मोन बनता है, जो एंग्जायटी, दिल की बीमारी का कारण बन सकता है।

दुख/शोक

ज्यादा दुखी होने पर सीआरएच नामक हॉर्मोन बनता है। ये एंग्जाइटी बढ़ाता है। ज्यादा दुख से दिल की बीमारियां और अल्सर जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

डिप्रेशन

डिप्रेशन के कारण बॉडी में सेरोटोनिन और डोपामाइन हॉर्मोन का स्तर घट जाता है। इसके कारण दर्द, एंग्जायटी, नींद की कमी, दिल की बीमारी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

तनाव

तनाव से ऐड्रेनलिन और कार्टिसोल नामक हॉर्मोंस बनते हैं जो ज्यादा होने पर डायबीटीज, एंग्जायटी, दिल की बीमारी, मोटापा बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सदमा

सदमे की स्थिति में शरीर में ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो जाता है और ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। इपिनेफ्रिन और ऐड्रेनलिन नामक हॉर्मोंस बनते हैं जिससे अटैक, ब्रेन स्ट्रोक भी हो सकता है।

शायद ही आप ये जानते होंगे कि हरी दूब की कोमल पत्तियों को कई सारे रोगों के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। इसकी ताजी पत्तियों को साबुत खाने के अलावा इसका जूस बनाया जाता है। कड़वे स्वाद वाली ये दूब उल्टी, कफ, कब्ज, प्रेग्नेंसी संबंधी समस्याओं को दूर करती है। ऐंटिसेप्टिक गुणों वाली दूब घाव भरने में भी कारगर है।

जोड़ों का दर्द दूर कर देगी हरी दूब

नकसीर का इलाज

गर्मियों में नाक से खून निकलने की समस्या से ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं इसे बंद करने में हरी ताजी दूब बेहतरीन होती है। इसे जमीन से निकालकर पानी से धो लें। फिर पीसकर उसका रस निकाल लें। इस रस की 2-2 बूंदें नाक के दोनों छेदों में डालने से नकसीर बंद हो जाती है।

गठिया का इलाज

बढ़ती उम्र में कमजोर हड्डियों वाले शरीर में गठिया रोग होना आम समस्या है। हरी दूब को लेकर इसके पत्तों का रस बनाएं और इस तेल से दर्द वाली जगह पर मालिश करें। जल्द राहत मिलती है।

खुजली का इलाज

गर्मियों में पसीने के चलते और सर्दियों में ड्रॉइनेस की वजह से बॉडी में खुजली होना आम बात है। 2 चम्मच दूब के रस को तिल के 100 ग्राम तेल में मिलाकर खुजली वाली जगह पर लगाने से खुजली दूर होती है।

मिर्गी का इलाज

10 ग्राम हरी दूब के रस का इस्तेमाल सुबह-शाम करने से मिर्गी रोग में फायदा होता है। स्वाद के लिए इसमें थोड़ी सी शहद की मात्रा मिलाई जा सकती है।

घाव का इलाज

घाव के इलाज में भी दूब बहुत ही असरदार इलाज है। दूब को पीसकर पके हुए फोड़े पर लगाने से फोड़ा आसानी से बिना दर्द के फूट जाता है।

झुर्रियों का इलाज

बढ़ती उम्र के साथ ही चेहरे पर नजर आने वाली झुर्रियों को दूर करने के लिए लोग तमाम तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इनसे पहले एक बार हरी दूब को आजमा लें। 40 ग्राम हरी दूब की जड़ का काढ़ा सुबह-शाम पीने से चेहरे की झुर्रियां आसानी से मिटती हैं।

स्किन प्रॉब्लम्स का इलाज

हरी दूब को हल्दी के साथ मिलाकर पीस लें और इसका घोल बनाकर लगाने से खाज-खुजली, दाद और स्किन प्रॉब्लम्स में फायदा मिलता है।

फटी एड़ियों का इलाज

कभी कैल्शियम की कमी तो कभी पॉल्यूशन के चलते एड़ियों क` फटने की समस्या भी आम है लेकिन हरी दूब के पत्तियों का पेस्ट बनाकर फटी एड़ियों पर लगाने काफी आराम मिलता है।

ऐसा दें उपहार बन जाए यादगार

उपहार देने और पाने की परंपरा पुरानी है, लेकिन उपहार देने से पूर्व अगर आप थोड़ा सोच-विचार कर लें तो आपके उपहार की उपयोगिता तो बढ़ेगी ही, पाने वाले की खुशी भी काफी बढ़ जाएगी, बता रही हैं ● ममता अग्रवाल

अपने किसी खास दोस्त या करीबी के जीवन के खास अवसर में आपका शामिल होना उसकी खुशियों को दोगुना कर देता है। आप भी चाहते हैं उसकी खुशियों में अपनी खुशी का इजहार करना, लेकिन इस मौके पर सबसे बड़ी दुविधा यह होती है कि आखिर उपहार में क्या दिया जाए। आप चाहते हैं उसे ऐसा तोहफा देना, जो उसके लिए यादगार बन जाए, लेकिन यह तय करना आपको कुछ मुश्किल सा लगता है। कुछ बातों को ध्यान में रख कर आप चुन सकते हैं ऐसा उपहार, जिसे पाकर आपका दोस्त आपकी पसंद की दाद दिए बिना नहीं रहेगा।

बजट तय करें

उपहार का चुनाव करने में सबसे पहले जरूरी है, उपहार के लिए अपना बजट तय करना। बजट निश्चित करने पर आपके लिए यह तय करना आसान हो जाएगा कि उसके अनुसार आप किस कीमत की चीजें दे सकते हैं। जरूरी नहीं कि बेहद कीमती तोहफा ही अच्छा हो। उपहार में देने वाले की भावना का ज्यादा मोल होता है, इसलिए अपनी जेब के अनुसार ही तोहफे का चुनाव करें। अगर आप कोई ऐसा उपहार देना चाहते हैं, जो आपके बजट से बाहर हो तो आप कुछ दोस्तों के साथ मिल कर ऐसा उपहार दे सकते हैं। बेकार की कई चीजें देकर, उपहार देने की मात्र औपचारिकता निभाने से बेहतर है कि दो-तीन लोगों के बजट को मिला कर कोई अच्छा और उपयोगी उपहार दिया जाए।

उम्र के अनुसार हो उपहार

छोटे बच्चों को सॉफ्ट टॉयज पसंद आते हैं तो थोड़े से बड़े बच्चे इलेक्ट्रॉनिक टॉयज से खेलना पसंद करते हैं। इसी तरह कॉलेज जाने वाली लड़कियों को उपहार में कोई मेकअप प्रोडक्ट, आर्टीफिशियल ज्वेलरी, स्टोल या सनग्लासेज दिए जा सकते हैं तो किसी शादीशुदा दोस्त को परफ्यूम सेट, पिक्चर फ्रेम या घर का कोई सजावटी सामान उपहार में देना अच्छा आइडिया रहेगा। यानी हर उम्र की अपनी पसंद-नापसंद और जरूरतें होती हैं, इसलिए उपहार में क्या चीज दी जाए, यह तय करने के लिए आप जिसे उपहार देने जा रहे हैं, उसकी उम्र और उसके लिए उपहार की उपयोगिता को अवश्य ध्यान में रखें।

अवसर का रखें ध्यान

जिस प्रकार हर मौके को खास अंदाज में सेलीबेट्र किया जाता है और उसे मनाने का ढंग और उससे जुड़े रीति-रिवाज भी खास होते हैं, उसी प्रकार उपहार भी मौके के अनुरूप खास होना चाहिए। इसलिए किस मौके पर दिया जा रहा है, यह ध्यान में रखकर ही उपहार चुनें।

जब हो समय की कमी

अगर उपहार खरीदने के लिए आपके पास समय की कमी है या आपके लिए तय कर पाना मुश्किल हो रहा हो कि उसे क्या पसंद आएगा तो ऐसी स्थिति में जल्दबाजी में कुछ भी लाकर देने की जगह उसके किसी पसंदीदा स्टोर का गिफ्ट वाउचर देना अच्छा आइडिया रहेगा।

रुचि का रखें ख्याल

हर व्यक्ति की अपनी पसंद-नापसंद होती है। आप नहीं चाहेंगे कि आप बड़े चाव से अपने किसी खास को बेहद मशक्कत करके कोई तोहफा दें और वह उसे पसंद न आए। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि जो भी उपहार आप किसी को दें, वह उसके दिल को छू जाए तो इसके लिए जरूरी है कि उसकी पसंद-नापसंद और व्यक्तित्व के अनुसार ही कोई उपहार चुनें। ध्यान दें कि वह अकसर कौन से रंग पहनना पसंद करता है, उसकी पसंदीदा गतिविधियां क्या हैं, उसके घर की सजावट कैसी है, उसका पसंदीदा साहित्य या खेल कौन-सा है। जिसे आप उपहार देने जा रहे हैं, अगर उसे पढ़ने-लिखने का शौक है तो उसे कोई अच्छी किताब या दो-तीन किताबों का सेट बना कर उपहारस्वरूप दे सकते हैं।

इसी तरह अगर उसे घूमने-फिरने का शौक है तो उसके लिए ट्रैवलिंग किट या लाइटवेट बैग जैसा उपहार देना अच्छा रहेगा। अगर उसे फूलों का शौक है तो मौसम का ध्यान रखते हुए एक अच्छे गमले में अच्छा पौधा भी उपहार में दिया जा सकता है।

करीबी की लें मदद

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को उपहार देने जा रहे हैं, जिसके बारे में आप ज्यादा नहीं जानते, तो ऐसे में उसकी रुचि या पसंद-नापसंद के बारे में पता लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सबसे बेहतर तरीका यही है कि उसके किसी करीबी यानी दोस्त, भाई-बहन या पार्टनर से उसकी पसंद के बारे में जानें।

पर्सनल टच

उपहार बेहद खास हो जाता है, अगर उसमें आपका पर्सनल टच हो। अपने उपहार को सबसे खास और विशिष्ट बनाने का बेहतर तरीका है, अपने करीबी को अपने हाथों से बना कोई आर्ट पीस या कार्ड बनाकर या ऐसी कोई अन्य चीज दें।

खास खबर

मेडिटेशन को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं - रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि मेडिटेशन (ध्यान) को जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। आज के तनावपूर्ण और व्यस्त जीवन में ध्यान मानसिक शांति, एकाग्रता और कार्यकुशलता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। लोक भवन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय ध्यान शिविर के दूसरे दिन राज्यपाल रमेन डेका भी उपस्थित रहे। इस दौरान हार्टफुलनेस संस्था, अमलेश्वर से आए प्रशिक्षकों ने अधिकारियों और कर्मचारियों को ध्यान की विभिन्न विधियों की जानकारी दी तथा उनका व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कार्यभार के कारण तनाव एक सामान्य समस्या बन गया है। ऐसे में ध्यान व्यक्ति को मानसिक संतुलन बनाए रखने, तनाव कम करने और सकारात्मक ऊर्जा के साथ कार्य करने में सहायता करता है। राज्यपाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों से प्रतिदिन कुछ समय ध्यान के लिए निकालने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान का अभ्यास व्यक्ति के जीवन में आत्मिक संतोष, सकारात्मकता और अद्भुत आनंद का अनुभव कराता है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में बेहतर संतुलन स्थापित कर सकता है।

स्वच्छता ही सेवा: जनजागरूकता और जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान को मिल रही नई दिशा

रायपुर। जिले में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत सिरियाखोह के स्वच्छता ग्राहियों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देते हुए पुनर्चक्रण योग्य कचरे का संग्रहण एवं विक्रय किया तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया। स्वच्छता ग्राहियों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई चनवारीडांड को 20 किलोग्राम रंगीन पन्नी, 14 किलोग्राम सफेद पन्नी एवं 14 किलोग्राम प्लास्टिक बोतल सहित कुल 48 किलोग्राम सूखा कचरा विक्रय किया गया। इसके साथ ही घर-घर जाकर ग्रामीणों को सड़क, नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फेंकने, घरों एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा कचरे का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया।

पृथ्वी चंद्राकर बने अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा युवा प्रकोष्ठ दुर्ग जिला महामंत्री

दुर्ग। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मिलिंद चंद्राकर के मार्गदर्शन एवं दुर्ग जिला अध्यक्ष अभिषेक चंद्राकर की अनुशंसा पर पृथ्वी चंद्राकर को अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा युवा प्रकोष्ठ, दुर्ग जिला का महामंत्री नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद समाज के पदाधिकारियों एवं युवाओं ने पृथ्वी चंद्राकर को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की है कि वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज हित में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सक्रियता एवं समाजसेवा को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त जिला महामंत्री पृथ्वी चंद्राकर ने संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे महासभा की रीति-नीति के अनुरूप कार्य करते हुए समाज के युवाओं को संगठित करने तथा सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

बस्तर का नया पर्यटन सर्किट देशभर के पर्यटकों को करेगा आकर्षित

बस्तर का 'सनराइज टू सनसेट' पर्यटन सर्किट : टाटामारी में सुनहरी सुबह, पुसपाल में मनमोहक शाम, स्थानीय युवाओं को मिलेगा रोजगार और स्वरोजगार का अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की पहचान अब केवल प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह क्षेत्र तेजी से पर्यटन विकास के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। कभी नक्सली गतिविधियों के कारण चर्चा में रहने वाला क्षेत्र अब पर्यटन और विकास की नई कहानी लिखने की तैयारी में है। इसी दिशा में कोण्डागांव वनमंडल द्वारा ग्राम पुसपाल को केंद्र में रखकर एक नए पर्यटन सर्किट का विकास किया जा रहा है, जो बस्तर के पर्यटन मानचित्र में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने वाला है।

इस नई पहल का सबसे बड़ा आकर्षण यह होगा कि पर्यटक एक ही दिन में टाटामारी की पहाड़ियों से उगते सूरज का अद्भुत दृश्य और पुसपाल में ढलते सूरज की मनोहारी छटा का आनंद ले सकेंगे। प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और साहसिक गतिविधियों का अनूठा संगम इस सर्किट को विशेष पहचान दिलाएगा।

प्रस्तावित पर्यटन सर्किट के विकसित होने से केशकाल से चित्रकोट जलप्रपात तक की यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक और कम समय में पूरी की जा सकेगी। पर्यटक अपनी यात्रा की शुरुआत केशकाल स्थित टाटामारी से कर सकेंगे, जहां सूर्योदय का विहंगम दृश्य उन्हें प्रकृति के अद्भुत अनुभव से रूबरू कराएगा। इसके बाद पर्यटक चौत्यगृह, भोंगापाल और गोबरहीन जैसे धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे। गोबरहीन स्थित प्राचीन शिवलिंग क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। दिनभर की यात्रा के बाद पर्यटक पुसपाल पहुंचकर सूर्यास्त के मनोरम दृश्य का आनंद ले सकेंगे, जो इस पूरे पर्यटन अनुभव को यादगार बना देगा।

इस पर्यटन सर्किट में पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं का विकास भी किया जाएगा। यहां कॉटेज निर्माण, राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियों तथा विभिन्न एडवेंचर स्पोर्ट्स की तैयारियां की जा रही हैं। इससे प्रकृति प्रेमियों के साथ-साथ रोमांच पसंद करने वाले पर्यटकों को भी नया गंतव्य मिलेगा। इस पर्यटन परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा कोण्डागांव जिले के नारायणपुर सीमा से लगे क्षेत्रों में विकसित किया जाएगा, जबकि शेष 30 प्रतिशत कार्य बस्तर जिले के अंतर्गत आने वाले कोण्डागांव वनमंडल क्षेत्र में किया जाएगा। परियोजना के लिए प्रारंभिक खाका और बजट तैयार किए जा चुके हैं तथा जमीनी स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं भी शुरू हो गई हैं। परियोजना के पूर्ण होने के बाद टाटामारी से पुसपाल तक का यह पर्यटन सर्किट बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और विकास की नई तस्वीर प्रस्तुत करेगा।

कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब विकास और विश्वास की नई किरण

यह क्षेत्र कभी नक्सली गतिविधियों का प्रमुख केंद्र माना जाता था, जिसके कारण यहां की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर पर्यटकों की पहुंच से दूर रही। राज्य सरकार की प्रभावी रणनीति, सुरक्षा बलों के प्रयासों और विकासोन्मुखी योजनाओं के चलते अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति और विकास का वातावरण बनने से पर्यटन की नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। नया पर्यटन सर्किट इसी बदलाव का प्रतीक माना जा रहा है, जो क्षेत्र की सकारात्मक छवि को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में सहायक होगा।

स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य पर्यटन विकास के साथ स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय युवाओं को गाइड, होमस्टे संचालन, परिवहन, खानपान, हस्तशिल्प और अन्य सेवाओं के माध्यम से स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था के विकसित होने से क्षेत्र में आय के नए स्रोत पैदा होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

औद्योगिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु एक दिवसीय सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों में दुर्घटनाओं की रोकथाम, जोखिमों के प्रभावी नियंत्रण तथा औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सचिव सह श्रमायुक्त, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार आज एनटीपीसी भवन, सेक्टर-24, नया रायपुर में एक दिवसीय सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रभारी संचालक, मनीष श्रीवास्तव ने की।

कार्यशाला में उप संचालक, सहायक संचालक सहित विभागीय अधिकारी एवं रायपुर जिले के समस्त अति खतरनाक एवं खतरनाक श्रेणी के कारखानों के प्रबंधन प्रतिनिधियों एवं सुरक्षा अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की। साथ ही दुर्ग जिले के प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों, जिनमें भिलाई स्टील प्लांट, एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी तथा बलौदाबाजार स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट के प्रतिनिधियों ने भी भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रभारी संचालक, मनीष श्रीवास्तव ने औद्योगिक इकाइयों में संस्कृति का विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है तथा प्रत्येक उद्योग को सुरक्षा मानकों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रक्रिया सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने तथा श्रमिकों को नियमित, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवहारिक सुरक्षा प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के साथ-साथ सुरक्षा इस अवसर पर मुख्य बॉयलर निरीक्षक गुंजन शुक्ला ने बॉयलर संचालन एवं रखरखाव के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। तकनीकी सत्रों में विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों द्वारा अपने संस्थानों में अपनाई जा रही उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं नवाचारों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

मेसर्स जायसवाल निको इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी, भिलाई स्टील प्लांट, अडानी पावर, शारदा एनर्जी, अल्ट्राटेक सीमेंट तथा गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपनी 'बेस्ट सेफ्टी प्रैक्टिसेस' साझा कीं। प्रस्तुतियों में जोखिम प्रबंधन, आपदा तैयारी, प्रक्रिया सुरक्षा, कार्यस्थल सुरक्षा संस्कृति तथा दुर्घटना रोकथाम के प्रभावी उपायों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न उद्योगों के मध्य ज्ञान एवं अनुभवों का आदान-प्रदान सुनिश्चित करना तथा उत्कृष्ट सुरक्षा पद्धतियों को व्यापक स्तर पर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। उल्लेखनीय है कि कार्यशाला का संचालनालय, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, नया रायपुर द्वारा किया गया था, जो प्रदेश में सुरक्षित औद्योगिक वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कच्चे घर की चिंता से मिली मुक्ति, जगरनाथ के सपनों को मिला पक्का आशियाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अपना घर हर परिवार का सबसे बड़ा सपना होता है। जब यह सपना साकार होता है तो केवल रहने की व्यवस्था नहीं बदलती, बल्कि जीवन में सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास का नया संचार होता है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने ऐसे ही अनेक जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशियों की नई इबारत लिखी है। सूरजपुर जिले के जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत सत्यनगर निवासी जगरनाथ की कहानी भी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है।

56 वर्षीय जगरनाथ मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। लंबे समय तक उनका परिवार एक कच्चे मकान में रहता था। बरसात के मौसम में टपकती छत और घर में भरता पानी उनके लिए बड़ी परेशानी का कारण बनता था। हर वर्ष बारिश के साथ चिंता और असुरक्षा भी बढ़ जाती थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्वयं का पक्का घर बनाना उनके लिए संभव नहीं था। वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उन्हें आवास की स्वीकृति मिली। शासन की इस महत्वपूर्ण योजना से मिली सहायता ने उनके वर्षों पुराने सपने को साकार कर दिया। आज जगरनाथ अपने परिवार के साथ एक मजबूत, सुरक्षित और सुविधायुक्त पक्के मकान में रह रहे हैं। जगरनाथ बताते हैं कि पक्का घर मिलने के बाद उनके परिवार का जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब बरसात के दिनों में किसी प्रकार की चिंता नहीं रहती। बच्चों और परिवार के सदस्यों को सुरक्षित वातावरण मिला है।

मैदान में उतरीं कलेक्टर, सड़क, जल संरक्षण और आवास कार्यों की हकीकत परखी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विकास कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लेने बलरामपुर जिला कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने आज विकासखंड बलरामपुर के विभिन्न ग्रामों का दौरा किया। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल संरक्षण कार्यों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत संचालित निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर भी उपस्थित रहीं।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने निर्माणाधीन सड़कों का निरीक्षण करते हुए विभिन्न स्थानों पर सड़क खुदवाकर जीएसबी परत एवं अन्य तकनीकी मानकों की गुणवत्ता की जांच कराई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें विकास की आधारभूत कड़ी हैं, इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। ग्राम चम्पापुर में उन्होंने मनरेगा अंतर्गत निर्मित मिट्टी बांध का निरीक्षण कर मानसून पूर्व जल संरक्षण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को वर्षा जल संचयन, रिचार्ज स्ट्रक्चर और सोक-पिट निर्माण को बढ़ावा देने के निर्देश देते हुए कहा कि जल संरक्षण भविष्य की जल सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माणाधीन आवासों का भी निरीक्षण किया तथा हितग्राहियों से चर्चा कर आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले आवास पूर्ण होने से परिवारों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास का लाभ मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को सभी योजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

जनता की समस्याओं का समाधान ही सुशासन की पहचान: मंत्री नेताम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप संचालित सुशासन तिहार के तहत आज रायगढ़ जिले के जनपद पंचायत खरसिया के ग्राम छोटे मुड़पार में विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 20 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं।

कार्यक्रम में प्रदेश के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन विकास मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में ग्रामीणों से 700 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अनेक आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों के समय-सीमा के भीतर निराकरण के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सुशासन तिहार इसी संकल्प का परिणाम है, जहां शासन स्वयं गांवों तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है और उनका समाधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित प्रशासन की स्थापना की जा रही है। सरकार किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और आदिवासी समाज के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उलनार में समाधान शिविर आयोजित

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड के ग्राम उलनार में 15 पंचायतों के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। सांसद बस्तर महेश कश्यप ने कहा कि सुशासन तिहार शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो।

बालोद के माहुद बी में सुशासन तिहार शिविर हुआ आयोजित

1435 आवेदनों का निराकरण, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखंड अंतर्गत ग्राम माहुद बी में आज सुशासन तिहार के तहत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में माहुद बी क्लस्टर से जुड़े 16 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 1653 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1435 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर आमजन को त्वरित राहत प्रदान की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद ने अधिकारियों को सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को नीर चेतना अभियान के तहत जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ भी दिलाई।

शिविर में गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर सिंह निषाद, पूर्व विधायक श्री वीरेन्द्र साहू एवं राजेन्द्र राय, जनपद पंचायत अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को सामग्री एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए। कृषि विभाग द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन हेतु जाल, समाज कल्याण विभाग द्वारा श्रवण यंत्र एवं छड़ी तथा राजस्व विभाग द्वारा डिजिटल किसान किताब का वितरण किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण-पत्र, पात्र हितग्राहियों को नवीन जॉब कार्ड एवं राशन कार्ड भी प्रदान किए गए।

शिविर में दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया था, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से नन्हें बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया तथा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट प्रदान कर गोदभराई की रस्म संपन्न कराई गई।

खास खबर

रेत के अवैध उत्खनन पर वन विभाग की कार्रवाई

मुंगेली। मुंगेली जिले में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खुड़िया वन परिक्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन में संलिप्त पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। वन क्षेत्र में दबिश देकर की गई इस कार्रवाई के बाद संबंधित वाहन मालिकों और संलिप्त लोगों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में वन विभाग को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर मुंगेली वनमंडल के खुड़िया वन परिक्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। वन अमले ने भूतकछार परिसर के बीट क्रमांक 487 आरएफ क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान संरक्षित वन क्षेत्र से अवैध रूप से रेत का उत्खनन और परिवहन करते हुए पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े गए। टीम ने सभी वाहनों को जब्त कर लिया। वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि संरक्षित वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की अवैध खनन गतिविधि, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन अथवा अवैध परिवहन का मामला पकड़ में आने पर संबंधितों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

22 लाख की यात्री बस चोरी आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा पुलिस ने सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 22 लाख रुपये मूल्य की चोरी गई यात्री बस को कुछ ही घंटों में बरामद कर लिया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अपुलिस के अनुसार 3 जून को नया बस स्टैंड से बस क्रमांक सीजी-10 जी-1601 चोरी होने की सूचना मिली थी। शिकायत मिलते ही चैकी सीएसईबी रामपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान बस के कंडक्टर ने चोरी गई बस और आरोपी की पहचान कर उसे कोहड़िया के पास पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ''मनजीत सिंह टोप्पो (31 वर्ष)'' निवासी बंधियापारा सिल्ली, थाना पाली, जिला कोरबा ने बस चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बस बरामद कर जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत कार्रवाई की गई है। कोरबा पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना देने की अपील करते हुए कहा है कि जनसहयोग और पुलिस की सतर्कता से अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी मुख्तियारनामा और हस्ताक्षर कर 200 एकड़ जमीन हड़पने की साजिश का पर्दाफाशः चार आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र में करीब 200 एकड़ बेशकीमती जमीन हड़पने के मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। फर्जी दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपए की जमीन अपने नाम कराने की साजिश रची गई।

गिरफ्तार आरोपियों का नाम रायपुर संजय नगर निवासी वसीम हुसैन, मोहम्मद खलील, अब्दुल नईम और मिर्जा परवेज बताया जा रहा है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अभनपुर पुलिस के अनुसार ग्राम थनौद, तहसील गोबरा नवापारा स्थित खसरा नंबर 1243/1, 1242/1, 1244/1, 1159/1, 1163/1, 1162/1 और 1162/2 की लगभग 200 एकड़ भूमि राजस्व रिकॉर्ड में केशव अवस्थी के नाम दर्ज है। जांच में सामने आया कि साल 2023 में आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से इस जमीन को हथियाने की साजिश रची।

पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी मिर्जा परवेज ने अपने साथियों अब्दुल नईम और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर केशव अवस्थी की जगह किसी अन्य व्यक्ति को प्रस्तुत किया।

इसके बाद फर्जी फोटो, कूटरचित हस्ताक्षर और नकली अंगूठा निशानी का इस्तेमाल कर मुख्तियारनामा तैयार कराया गया। इसी दस्तावेज के आधार पर जमीन का पंजीयन कर करोड़ों की संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास किया गया।

जांच में यह भी पता चला कि 19 अक्टूबर 2023 को जमीन के एक हिस्से का पंजीयन अब्दुल नईम के नाम और 20 अक्टूबर को मिर्जा परवेज के नाम कराया गया था। दोनों ही मामलों में कथित रूप से फर्जी पहचान और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया।

दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने की कार्रवाई

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के बयान दर्ज किए और मुख्तियारनामा तैयार करने में उपयोग किए गए आधार कार्ड सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने धोखाधड़ी, जालसाजी और कूटरचना की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में वसीम हुसैन, मोहम्मद खलील, अब्दुल नईम और मिर्जा परवेज शामिल हैं। सभी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

केंद्रीय जेल में नक्सल मामले में बंद कैदी की मौत, बाथरूम में पैर फिसलने से हादसा, सप्ताहभर में दूसरा मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर केंद्रीय जेल में बंद नक्सल मामले के विचाराधीन कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि कैदी जेल के बाथरूम में फिसलकर गिर गया था, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और काफी खून बह गया था। गंभीर हालत में उसे देर रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है जानकारी के अनुसार, मृतक रमेश कुंजाम (33) बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के लिंगापुर गांव का निवासी था। वह नक्सल संबंधी मामले में जेल में बंद था। नवंबर 2025 में उसे दंतेवाड़ा जेल से जगदलपुर केंद्रीय जेल में शिफ्ट किया गया था। बताया जा रहा है कि आधी रात रमेश कुंजाम जेल परिसर के बाथरूम गया था।

लौटने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह सिर के बल गिर पड़ा। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई और ज्यादा ब्लीडिंग हो गई थी। अन्य बंदियों और ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों की नजर पड़ने के बाद तत्काल उसे इलाज के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। अस्पताल में उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू में भर्ती किया गया था।

लेकिन इलाज के दौरान 5 जून की सुबह उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और जेल प्रशासन ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है।

एक सप्ताह में मौत का दूसरा मामला

केंद्रीय जेल में एक सप्ताह के भीतर मौत का यह दूसरा मामला है। इससे पहले एक महिला बंदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। महिला अपने चाचा की हत्या के मामले में जेल में बंद थी। प्रारंभिक जांच में महिला मानसिक रूप से परेशान थी। इसलिए उसने सुसाइड का कदम उठाया था।

शराब पीकर वाहन चलाना पड़ा भारी, तीन चालकों पर 30 हजार रुपये का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में तीन अलग-अलग मामलों में पकड़े गए वाहन चालकों पर न्यायालय ने कुल 30 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।

पुलिस के अनुसार, डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर जिले में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने शराब के नशे में वाहन चला रहे तीन चालकों को पकड़ा।

कार्रवाई के दौरान स्कूटी क्रमांक सीजी-15-ईएल-1640 के चालक जयप्रकाश, स्कूटी क्रमांक सीजी-29-एजी-7637 के चालक कार्तिक सिंह (21 वर्ष) निवासी भटगांव तथा मोटरसाइकिल चालक पारस कुजूर निवासी मैनपाट के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने तीनों चालकों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। इसके बाद

संबंधित वाहनों को जब्त कर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

माननीय न्यायालय ने तीनों मामलों में 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इस प्रकार कुल 30 हजार रुपये का अर्थदंड वसूल किया गया।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि शराब पीकर वाहन न चलाएं, क्योंकि इससे न केवल उनकी बल्कि अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। पुलिस द्वारा ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जशपुर के लोदाम में बकरी चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा, कुख्यात बादी गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जिले के लोदाम थाना क्षेत्र में बकरी चोरी की वारदात को अंजाम देने पहुंचे कुख्यात बादी (नट) गिरोह के एक सदस्य को ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी अपने दो साथियों के साथ सीतापुर से कार में आया था, लेकिन ग्रामीणों की सक्रियता के चलते उसके साथी अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन सहित फरार हो गए। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनीष खान उर्फ गोल्डन (25) निवासी टुकूपारा, थाना सीतापुर, जिला सरगुजा के रूप में हुई है। उसके कब्जे से चोरी की गई एक बकरी, टंगिया, मोबाइल फोन, टॉर्च, टेप और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। लोदाम

बैगाटोली निवासी किषुन राम ने पुलिस को बताया कि 2 जून की रात उन्होंने अपने नौ बकरे-बकरियों को गोहार में बांधकर परिवार के साथ सो गए थे।

रात करीब दो बजे पड़ोसी ने फोन कर घर के बाहर संदिग्ध कार खड़ी होने और कुछ लोगों के घूमने की सूचना दी। सूचना मिलने पर जब वे बाहर निकले तो घर के एक कमरे का दरवाजा खुला मिला। पेटी और अलमारी के ताले टूटे हुए थे तथा सामान बिखरा पड़ा था। हालांकि कमरे से कोई सामान चोरी नहीं हुआ था, लेकिन गोहार का दरवाजा टूटा मिला और एक बकरा तथा एक बकरी गायब थे।

इसी दौरान गांव में शोर-शराबा होने पर ग्रामीणों ने एक संदिग्ध युवक को दौड़ाकर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से चोरी की गई बकरी और चोरी में इस्तेमाल किया गया सामान बरामद हुआ। वहीं उसके दो साथी कार में बैठकर मौके से फरार हो गए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुद को कुख्यात बादी (नट) गिरोह का सदस्य बताया। उसने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ सीतापुर से लोदाम क्षेत्र में चोरी की नीयत से आया था। प्रारंभिक जांच में उसके खिलाफ पूर्व से भी कई आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी मिली है।

पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया।

चोरी का खुलासा, कबाड़ी संचालक समेत तीन गिरफ्तार

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में हुई चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो युवक और एक कबाड़ी दुकान संचालक शामिल है। सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। 15 मई 2026 को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के प्रभारी जीवन यादव ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 14 मई की रात अज्ञात चोरों ने राजीव भवन परिसर में लगे करीब 73 पीतल के नल, पाइपलाइन सामग्री, कमोड फ्लश और वॉश बेसिन में तोड़फोड़ कर लगभग 25 हजार रुपये की सामग्री चोरी कर ली थी। चोरी की वारदात में शिवदास और विष्णु यादव शामिल हैं। पुलिस ने दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने कांग्रेस कार्यालय से नल की टोंटियां चोरी कर अग्रसेन चौक स्थित एक कबाड़ी दुकान में मात्र 500 रुपये में बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस ने कबाड़ी दुकान संचालक श्याम अग्रवाल को भी हिरासत में लिया। उसने चोरी का सामान खरीदना स्वीकार किया, लेकिन आगे किसे बेचा इसकी जानकारी नहीं दे सका। पुलिस ने आरोपियों से चोरी की बिक्री से प्राप्त 500 रुपये भी जब्त कर लिए हैं।

जांच में चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त और साक्ष्य छिपाने के आरोप प्रमाणित होने पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराएं बढ़ाते हुए कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में शिवदास (19), विष्णु यादव (19) और कबाड़ी संचालक श्याम अग्रवाल (42) शामिल हैं।

बंधक मकान पर बेटे ने किया दोबारा कब्जा, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की बंधक संपत्ति पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। बैंक अधिकारियों की शिकायत पर पद्मनाभपुर थाना पुलिस ने युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

आरोप है कि युवक ने बैंक की ओर से सरफेसी एक्ट के तहत कब्जे में ली गई संपत्ति का सीलबंद ताला दो बार तोड़कर जबरन कब्जा कर लिया। साथ ही बैंक की ओर से लगाए गए कब्जे संबंधी नोटिस भी मिटा दिए। बैंक को आर्थिक नुकसान पहुंचाने और वैधानिक प्रक्रिया में बाधा डालने के आरोप लगाए गए हैं।

मोहम्मद कासिम खान और मोहम्मद नसीम खान ने सुभाष नगर, कसारीडीह स्थित 1200 वर्गफीट भूमि और मकान को बंधक रखकर छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक से 26 लाख रुपए का आवास लोन लिया था।

मोहम्मद कासिम खान की मौत के बाद सह-ऋणी नसीम खान ने लोन का भुगतान नहीं किया, जिससे खाता एनपीए हो गया। लोन की वसूली नहीं होने पर बैंक ने सरफेसी एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू की। जिला दंडाधिकारी दुर्ग के आदेश पर 21 मार्च 2025 को तहसीलदार और पुलिस बल की मौजूदगी में मकान का कब्जा लेकर उसे सीलबंद किया गया था। आरोप है कि उसी दिन मोहम्मद कासिम के बेटे मोहम्मद वसीम खान ने ताला तोड़कर मकान पर कब्जा कर लिया और परिवार सहित वहां रहने लगा।

इसके बाद बैंक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और दोबारा प्रशासन से संपत्ति का कब्जा दिलाने का अनुरोध किया। जिला दंडाधिकारी के आदेश पर 10 मार्च 2026 को फिर पुलिस बल की मौजूदगी में मकान बैंक के आधिपत्य में लेकर सीलबंद किया गया। इसके बावजूद वसीम खान ने दोबारा मकान पर कब्जा कर लिया, जिसके बाद बैंक ने एफआईआर दर्ज कराई।

बैंक ने 27 अप्रैल 2026 को संपत्ति की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी थी। इसी दौरान वसीम खान ने बिलासपुर हाईकोर्ट से 15 दिन की राहत हासिल कर ली, जिसके चलते नीलामी स्थगित करनी पड़ी।

बैंक अधिकारियों के अनुसार 28 अप्रैल 2026 को क्षेत्रीय प्रबंधक और एनपीए मैनेजर महिला पुलिसकर्मी के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बैंक के लगाए सीलबंद ताले गायब थे और उनकी जगह दूसरे ताले लगे हुए थे। इसके अलावा बैंक की ओर से दीवारों पर स्प्रे पेंट से लिखी गई भौतिक कब्जे की सूचना को रंग-रोगन कर मिटा दिया गया था। आसपास के लोगों ने मौखिक रूप से बताया कि वसीम खान ने ही ताला तोड़कर मकान पर कब्जा किया है।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि बंधक संपत्ति से मृतक कासिम खान का नाम हटाकर वसीम खान ने कथित रूप से अपना, नसीम खान और अपनी दो बहनों का नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करा लिया।

बैंक का कहना है कि बंधक संपत्ति में किसी भी प्रकार का नामांतरण उसकी अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता। ऐसे में यह कार्रवाई नियमों के विपरीत और छलपूर्वक की गई है।

प्रारंभिक जांच में अपराध बनते पाए जाने पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 329(3) और 324(3) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब दस्तावेजों की जांच, कब्जे की वैधानिक स्थिति और बैंक के आरोपों की पड़ताल कर रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 29.05.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 18.06.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
95/191965	साजा उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई- पोताई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	50.00
96/191967	नवागढ़ उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई- पोताई का कार्य (जोनल एजेन्सी)	40.00
97/191968	छुईखदान उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई- पोताई, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिग का कार्य (जोनल एजेन्सी)	42.50
98/191971	उपसंभाग कवर्धा के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	20.00
99/191972	उपसंभाग कवर्धा के अंतर्गत आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	20.00
100/191973	उपसंभाग क्रं. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	50.00
101/191974	नवागढ़ उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	12.00
102/191975	खैरागढ़ उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्त कार्य (जोनल एजेन्सी)	25.00
103/191976	सी.एस.क्वी.टी.यू. नेवई, भिलाई में उपलब्ध समस्त बोर पंप को आपस में जोडने संबंधी जी.आर. पाईप लाईन का कार्य सहित पंप रूम निर्माण कार्य एवं परिसर में नव निर्मित 04 नग शैक्षणिक भवनों में गर्ल्स कॉमन रूम अटैच वॉशरूम सहित कार्य	29.79
104/191977	छुईखदान उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	25.00
105/191978	खैरागढ़ उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो का विशेष मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	24.98

टीप
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी- 262701172/5

यात्री बस में 2 करोड़ का गांजा पकड़ाया

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जयनगर थाना क्षेत्र के सिलफिली के पास एक यात्री बस से करीब 20 क्विंटल गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। नीलम बस क्रमांक सीजी -15 इएच -4301 में भारी मात्रा में गांजा परिवहन किए जाने की सूचना ग्रामीणों को मिली थी। पुलिस ने गांजा और बस दोनों को जब्त कर लिया है। बरामद मादक पदार्थ को सुरक्षा कारणों से सिलफिली स्थित सीआरपीएफ बटालियन परिसर में रखा गया है। तस्करी नेटवर्क से जुड़े आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम जांच में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिलासपुर में निर्माणाधीन नालंदा परिसर एवं एजुकेशन हब का किया निरीक्षण

120 करोड़ रुपये की परियोजना युवाओं को देगी अध्ययन, आवास और प्रतियोगी परीक्षा तैयारी की सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बिलासपुर प्रवास के दौरान मधुबन-जूना बिलासपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन नालंदा परिसर एवं एजुकेशन हब का निरीक्षण कर परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परियोजना प्रदेश के युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेगी और बिलासपुर को शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षा तैयारी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, विशेष सचिव रजत बंसल, संभागायुक्त सुनील जैन, पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि बिलासपुर में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थी सीजीपीएससी, यूपीएससी, नीट, जेईई, एसएससी, बैंकिंग, व्यापम तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। इन विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आधुनिक अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगभग 13 एकड़ शासकीय भूमि पर 120 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक एजुकेशन हब विकसित किया जा रहा है।

परियोजना के अंतर्गत नालंदा डिजिटल पब्लिक लाइब्रेरी, 300-300 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास, आधुनिक शैक्षणिक ब्लॉक तथा विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। एक ही परिसर में अध्ययन, आवास और शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करेगी। इससे प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा।

अधिकारियों ने बताया कि परिसर में 48 बड़े रेंटल हॉल का निर्माण भी किया जा रहा है। इससे नगर निगम के लिए दीर्घकालिक और स्थायी आय का स्रोत विकसित होगा। पीपीपी मॉडल पर विकसित की जा रही इस परियोजना का संचालन वित्तीय दृष्टि से भी आत्मनिर्भर होगा तथा नगर निगम पर अतिरिक्त आर्थिक भार नहीं आएगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार युवाओं को बेहतर संसाधन, आधुनिक अधोसंरचना और प्रतिस्पर्धी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नालंदा परिसर एवं एजुकेशन हब केवल एक भवन परियोजना नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को नई दिशा देने वाला ज्ञान केंद्र है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजना पूर्ण होने के बाद बिलासपुर की पहचान प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख शैक्षणिक एवं प्रतियोगी परीक्षा तैयारी केंद्र के रूप में स्थापित होगी। यह एजुकेशन हब हजारों विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला बनेगा।

मुख्यमंत्री साय ने भिखमपुरा के पंचमुखी सिद्ध हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम भिखमपुरा पहुंचकर स्वामी शिवानंद विद्यापीठ एवं गौसेवा आश्रम परिसर स्थित श्री पंचमुखी दक्षिणाभिमुख सिद्ध हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य और राज्य की निरंतर प्रगति की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्धि, जनकल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इन दिनों सुशासन तिहार के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों का सतत दौरा कर रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से वे सीधे आमजन से संवाद स्थापित कर शासन की योजनाओं और सेवाओं के जमीनी क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक निर्देश भी दे रहे हैं। भिखमपुरा प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने गौसेवा आश्रम परिसर में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं सुनीं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से उन्हें मिल रहे लाभों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके जरिए प्रशासन सीधे लोगों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रहा है।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ पी चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, स्थानीय नागरिक, आश्रम से जुड़े सदस्य तथा जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

जनचौपाल में मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की बात, विकास कार्यों की दी सौगात

सुशासन तिहार के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के भीखमपुरा पहुंचे मुख्यमंत्री, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आज सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम भीखमपुरा में आयोजित जनचौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। गौशाला परिसर में आयोजित जनचौपाल में मुख्यमंत्री पारंपरिक खाट पर बैठकर ग्रामीणों, महिलाओं, जनप्रतिनिधियों एवं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से रूबरू हुए और उनकी समस्याओं, सुझावों तथा अपेक्षाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास, संवाद और जवाबदेही को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से प्राप्त आवेदनों और शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक मूल्यांकन तभी संभव है जब सरकार स्वयं लोगों के बीच जाकर उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करे। इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में जनचौपालों और समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने जनचौपाल में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना तथा महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे।

जनचौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत मांगों पर मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने सपेरा समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन के निर्माण, बस्ती क्षेत्र में मंगल भवन निर्माण, गांव की आंतरिक गलियों में सीसी रोड निर्माण तथा चंडी मंदिर के समीप स्थित डबरी तालाब के सौंदर्यीकरण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम की प्राथमिक शाला का नामकरण पंडित हृदयानंद पाणिग्राही के नाम पर किए जाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क तथा आजीविका के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने और विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच मुख्यमंत्री का सीधे गांव पहुंचकर लोगों से संवाद करना उनकी संवेदनशील कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पण का परिचायक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में विकास और सुशासन को नई दिशा मिली है तथा शासन की योजनाओं का लाभ तेजी से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने जारी की महतारी वंदन योजना की 28वीं किस्त

68.54 लाख महिलाओं के खातों में अंतरित हुए 642.27 करोड़ रुपये

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना की 28वीं किस्त जारी करते हुए प्रदेश की 68 लाख 54 हजार महिलाओं के बैंक खातों में 642 करोड़ 27 लाख 77 हजार 950 रुपये की राशि अंतरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं का सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा महतारी वंदन योजना इस दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी पहल के रूप में सामने आई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी समाज और राज्य की प्रगति तब तक पूर्ण नहीं हो सकती, जब तक महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और सामाजिक रूप से सम्मानित न किया जाए। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को भी मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रदेश की माताओं और बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का आधार बन रही है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 1 मार्च 2024 से प्रारंभ हुई महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। योजना से प्राप्त राशि का उपयोग महिलाएं परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पोषण तथा छोटे-छोटे स्वरोजगार कार्यों में कर रही हैं। इससे परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ महिलाओं की सामाजिक भागीदारी भी बढ़ी है।

जून 2026 में जारी 28वीं किस्त के साथ ही योजना के अंतर्गत अब तक प्रदेश की महिलाओं को कुल 18 हजार 165 करोड़ 19 लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। यह राशि महिलाओं के जीवन में आर्थिक स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी सोच के अनुरूप सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर और नारायणपुर में संचालित नियद नेल्लानार अभियान के माध्यम से 7 हजार 770 नई महिलाओं को महतारी वंदन योजना से जोड़ा गया है। इससे दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों की महिलाओं को भी आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्राप्त हो रहा है।

सपेरा बस्ती में साकार हो रहा पक्के घरों का सपना

जनजातीय परिवारों से संवाद कर सुनीं समस्याएं, दिव्यांग हितग्राहियों को दिए सहायक उपकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला विकासखंड स्थित ग्राम भीखमपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने सपेरा बस्ती में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री साय ने वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन कर रहे सवरा (सपेरा) जनजाति के परिवारों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने निर्माणाधीन आवासों का अवलोकन करते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि विकास और जनकल्याण का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को सभी स्वीकृत आवासों और अन्य निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे पिछले लगभग 35 वर्षों से कच्चे घरों में रहकर जीवनयापन कर रहे थे।प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अब उनका पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। हितग्राहियों ने कहा कि पहली बार उन्हें अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक आवास में रहने की उम्मीद मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने दिव्यांग हितग्राही रमाबाई सिदार को बैसाखी प्रदान कर उनकी सहायता की तथा बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनसे आत्मीय बातचीत की। मुख्यमंत्री की सहजता और अपनत्व से ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उल्लेखनीय है कि भीखमपुरा की सपेरा बस्ती में 68 परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास, सीसी रोड तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। यहां प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है।

सीसीपीएल के दूसरे दिन डबल हैडर : रायगढ़ लॉयंस और बिलासपुर बुल्स मचाया धमाल

बिलासपुर के आयुष पाण्डेय ने खेली 62 गेंदों में 147 रन की पारी, वरूण की हैट्रिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के दूसरे दिन गुरूवार को शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में डबल हैडर का रोमांच देखने को मिला। यहां दिन में पहला मैच सरगुजा टायगर्स तथा रायगढ लायंस के बीच हुआ। जिसमें रायगढ़ लॉयंस ने सरगुजा टायगर्स को आसानी से हरा दिया। वहीं रात को बस्तर बायसंस तथा बिलासपुर बुल्स के बीच रोमांचक मैच हुअ जिसमें बिलासपुर बुल्स की टीम ने बस्तर को 22 रनों से हरा दिया। बिलासपुर की ओर से आयुष पाण्डेय ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए 62 गेंदों पर 147 रनों की पारी खेली। बिलासपुर के गेंदबाज वरूण ने लगातार चार गेंदों में चार विकेट चटकाए।

पहले मैच सरगुजा टायगर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया। सरगुजा टायगर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 188 रनों का विशाल स्कोर बनाया। सरगुजा टायगर्स की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज सानिध्य हुरकत ने 51 गेंदों में 8 चौकों तथा 4 छक्कों की मदद से 91 रनों की शानदार पारी खेलीं। उनके अतिरिक्त हर्ष यादव ने 26 रन तथा आशुतोष सिंह ने 15 रनों का योगदान दिया। रायगढ लायंस की ओर से दिपक यादव तथा राजा कुर्रे ने 2-2 विकेट प्राप्त किये।

189 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायगढ लायंस ने 18.3 ओवरों में 4 विकेट खोकर 192 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया। उनकी शुरुवात अच्छी रही, प्रारंभिक बल्लेबाज संगीत सोनी ने ने 80 रन तथा ऋषभ तिवारी ने 45 रन बनाये। दोनों के मध्य पहले विकेट के लिये 113 रनों की साझेदारी हुयी। उनके अतिरिक्त आलोक साहु ने 29 रन नाबाद तथा नयन चौहान ने 16 रन बनाये। सरगुजा टायगर्स की ओर से धनंजय नायक तथा गगनदीप सिंह ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। रायगढ लायंस ने 6 विकेट से मैच जीत लिया। संगीत सोनी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। गुरूवार को दूसरा मैच बस्तर बायसंस तथा बिलासपुर बुल्स के मध्य खेला गया। बस्तर बायसंस ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। बिलासपुर बुल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट खोकर 227 रनों का विशाल स्कोर बनाया। बिलासपुर बुल्स की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज तथा कप्तान आयुष पांडे ने शानदार शतक जडते हुये 62 गेंदों में 13 चौकों तथा 11 छक्कों की मदद से 147 रनों की शानदार पारी खेलीं। उनके अतिरिक्त विकल्प तिवारी ने 68 नाबाद रनों का योगदान दिया। दोनो के मध्य तिसरे विकेट के लिये रिकार्ड 195 रनों की साझेदारी हुयी। वही बस्तर बायसंस की ओर से सौरभ मजुमदार ने 3 विकेट प्राप्त किये।

288 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बस्तर बायसंस 19.5 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 205 रन ही बना सकी। बस्तर बायसंस की ओर से राहुल प्रधान ने 74 रन तथा विजय यादव ने 46 रन बनाये। उनके अतिरिक्त शशांक चंद्राकर ने 35 रन तथा अनुज तिवारी ने 28 रन बनाये। बिलासपुर बुल्स की ओर से वरुण सिंह भुई ने 5 विकेट प्राप्त किये। उन्होनें 4 गेंदों में लगातार 4 विकेट प्राप्त किये। बिलासपुर बुल्स ने 22 रनों से मैच जीत लिया। वरुण सिंह भुई प्लेयर ऑफद मैच रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950